वर्ष : 33 » अंक : 192 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, शनिवार, 28 सितंबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

दो बजे
दोपहर
मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बिछने लगी बिसात

- तैयारियों की समीक्षा के लिए चुनाव आयोग की टीम पहुंची
- EC अधिकारियों ने की महाराष्ट्र के नेताओं के साथ बैठक
- चुनाव आयोग ने ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर महाराष्ट्र के मुख्य सचिव से ब्यौरा मांगा

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर से पहले होने के संकेत मिल रहे हैं। महाराष्ट्र की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इससे पहले महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव कराने के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार की अगुवाई में मुंबई पहुंची केंद्रीय निर्वाचन आयोग की टीम ने महाराष्ट्र के प्रमुख सियासी दलों के नेताओं से शुक्रवार को मुलाकात की।

'आवासीय सोसाइटी' में मतदान केंद्र बनाने पर आपत्ति

इस दौरान भारतीय जनता पार्टी ने कार्य दिवस पर मतदान का सुझाव दिया, तो वहीं कांग्रेस ने 'आवासीय सोसाइटी' में मतदान केंद्र बनाने पर आपत्ति जताई। निर्वाचन आयोग की टीम ने एक-एक करके सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इसमें कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुनाफ हकीम और गजानन देसाई ने किया। जबकि बीजेपी के मुंबई प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक आशीष शेलार व मिहिर कोटेचा और आशीष शेलार ने भाजपा का प्रतिनिधित्व किया। बाद में मुनाफ हकीम ने कहा कि उनकी पार्टी 'आवासीय सोसायटी' में मतदान केंद्र स्थापित करने के फैसले का विरोध करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि पुलिस थाने में लंबे समय से तैनात कांस्टेबलों और वरिष्ठ पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण किया जाए।

अन्य पार्टियों ने भी दिया सुझाव

शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता व पूर्व मंत्री सुभाष देसाई ने कहा कि उनकी पार्टी ने मतदाताओं, खासकर वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता दिए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि संभव हो तो चुनाव कम चरणों में ही होने चाहिए। तो वहीं राकां (अजीत पवार), राकां शरदचंद्र पवार, आम आदमी पार्टी (आप) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव और मांगें रखीं।

रश्मि शुक्ला को हटाने की मांग

कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव निष्पक्ष कराने के लिए विवादित और सत्ताधारी दलों की मदद करने वाले विवादित अधिकारियों को हटाने की मांग की। कांग्रेस ने दावा किया कि राज्य की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला का करियर संदिग्ध और विवादास्पद रहा है। उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं को धमकाने, उनके फोन टैप करने जैसे काम किए हैं और उनके खिलाफ मामले भी दर्ज किए गए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग से पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराने के लिए रश्मि शुक्ला सहित विवादास्पद और मददगार अधिकारियों को हटाने की मांग की है।

लोकसभा की अव्यवस्था के लिए नाराजगी

इस दौरान निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव के दौरान मुंबई शहर के मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को हुई असुविधा पर ''असंतोष" व्यक्त किया और शीर्ष अधिकारियों से आगामी विधानसभा चुनाव में बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा। राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ यहां एक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को मतदान केंद्रों पर बेंच, पंखे, पीने के पानी और शेड सहित सभी न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। आयोग ने कहा कि वह मतदान के दिन मतदाताओं को असुविधा की किसी भी शिकायत पर सख्ती से कार्रवाई करेगा। चुनाव आयोग ने पुलिस, रेवेन्यू और अन्य विभागों के अफसरों का तय समय के बाद ट्रांसफर ना करने पर कड़ी आपत्ति जताई है।

बीजेपी के सुझावों की सूची लंबी : बीजेपी की ओर से विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूची में सुधार एवं अन्य सुझावों से संबंधित 14 मांगों वाला एक पत्र चुनाव आयोग के अधिकारियों को दिया गया। इस बारे में कोटेचा ने बताया कि भाजपा ने निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारियों से मांग की है कि किसी भी बूथ पर 1,000 से ज्यादा मतदाता नहीं होने चाहिए, जो आंकड़ा अभी 1,500 से 1,600 के बीच है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सुझाव दिया है कि मतदान कार्य दिवस पर होना चाहिए और लंबे सप्ताहांत से बचा जाना चाहिए। भाजपा ने निर्वाचन आयोग से मांग की कि मतदान केंद्रों पर कोई देरी न हो और लंबी कतारें भी न लगे। कोटेचा ने बताया कि उनकी पार्टी ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए बेहतर सुविधाएं मांगी हैं और यह सुझाव दिया कि मतदाताओं को बूथ में जाते ही जल्दी से मतदान करने का अवसर मिलना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

विपक्ष पुलिस को हतोत्साहित करने की कोशिश कर रहा : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को विपक्ष पर दोहरा रुख अपनाने और बदलापुर मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की मौत को लेकर पुलिस को हतोत्साहित करने की कोशिश का आरोप लगाया। अहमदनगर जिले के शिरडी में एक कार्यक्रम से इतर बातचीत में फडणवीस ने विपक्ष को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि इन लोगों का (विपक्षी दल) हमेशा से दोहरा रुख रहा है। ये तेलंगाना में (दुष्कर्म और हत्या के आरोपी की) मुठभेड़ का समर्थन करते हुए संपादकीय लिखते हैं लेकिन पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हैं, जिसने जवाब में गोली चलाई। यह पुलिस को हतोत्साहित करने की कोशिश प्रतीत होती है। बता दें कि शिंदे की पुलिस की गोली से मौत की विपक्षी दलों ने निंदा की थी।

आचार्य पवन त्रिपाठी सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष नियुक्त

मुंबई। सरकार ने मुंबई के सुप्रसिद्ध सिद्धिविनायक ट्रस्ट की कमेटी घोषित की है, जिसमें मुंबई भाजपा के उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। हिंदूवादी नेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके आचार्य त्रिपाठी मूलरूप से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के निवासी हैं। इस पद पर नियुक्त होने पर उन्होंने कहा कि हमने इस पद को भगवान श्री गणेश की सेवा के रूप में स्वीकार किया है। मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी मुंबई कई वर्षों से सन्यास आश्रम से जुड़े रहे हैं। उन्होंने हिंदू धर्म के कई शास्त्रों का अध्ययन किया है और अब तक हजारो छात्रों को संस्कृत में शिक्षित कर चुके हैं। संस्कृत के विद्वान होने के नाते आचार्य त्रिपाठी के कोषाध्यक्ष नियुक्त होने से मंदिर ट्रस्ट को भी उनके अनुभव का लाभ मिल सकेगा।

डिप्टी सीएम फडणवीस के ऑफिस के बाहर महिला ने किया हंगामा

नेमप्लेट उखाड़ी, पुलिस ने शुरू किया तलाशी अभियान

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय के बाहर लगी उनकी नेमप्लेट तोड़ दी गई। जानकारी के मुताबिक, एक महिला ने दक्षिण मुंबई में मंत्रालय स्थित उनके कार्यालय के बाहर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस की नेम प्लेट को तोड़ दिया, जिसके बाद पुलिस ने तलाशी शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि घटना गुरुवार शाम 6.30 बजे के बाद हुई, जिसमें महिला ने नेम प्लेट हटा दी और वहां से जाने से पहले उसे फर्श पर पटक दिया।

मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में दर्ज मामला

अधिकारी ने ये भी बताया कि, अभी तक महिला की पहचान नहीं हो पाई है और इस संबंध में मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया जा रहा है। पुलिस ने महिला का पता लगाने के लिए एक तलाशी अभियान शुरू किया है।

एंट्री पास के बिना अंदर घुसी महिला

अधिकारी ने इस मामले की जानकारी देते हुए आगे कहा, 'महिला ने वेलिड एंट्री पास के बिना, राज्य सचिवालय, मंत्रालय में प्रवेश किया। अब तक की गई जांच के अनुसार, महिला ने सुरक्षा कर्मियों को बताया कि वह अपना बैग सचिवालय परिसर के अंदर भूल गई थी और उसे लेना चाहती थी।' अधिकारी ने आगे कहा, 'इमारत में एंटर करने के बाद, वह डिप्टी सीएम फडणवीस के कार्यालय पहुंची, जहां बाहर लगी उनकी नेम प्लेट को हटा दिया और उसे फर्श पर पटककर क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद वह मंत्रालय से बाहर चली गईं।'

पीएम नरेंद्र मोदी आज ऑनलाइन करेंगे पुणे मेट्रो सबवे का उद्घाटन

पुणे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पुणे में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से स्वारगेट तक मेट्रो लाइन का उद्घाटन करने वाले हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री शनिवार को ही महाराष्ट्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं का भी आनलाइन उद्घाटन करेंगे। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री गुरुवार को महाराष्ट्र के पुणे में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने वाले थे। लेकिन बारिश के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुणे दौरा रद्द हो गया । इसलिए अब यह सभी कार्यक्रम 29 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑनलाइन करेंगे। इनमें पुणे में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट मेट्रो स्टेशन से स्वारगेट मेट्रो स्टेशन तक भूमिगत मार्ग का उद्घाटन और स्वारगेट-कात्रज मेट्रो स्टेशन का भूमि पूजन किया जाएगा। साथ ही क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले स्मारक भिड़ेवाड़ा लड़कियों का पहला स्कूल होगा, इस भवन की आधारशिला रखी जाएगी। इसके साथही प्रधानमंत्री मोदी सोलापुर एयरपोर्ट का ऑनलाइन उद्घाटन भी करेंगे।

कर्नाटक सीएम सिद्दरमैया की बढ़ गईं मुश्किलें

एजेंसी | बेंगलुरु

कर्नाटक CM सिद्धारमैया के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस ने शुक्रवार, 27 सितंबर को मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (MUDA) घोटाले मामले में FIR दर्ज की है। कर्नाटक के एक स्पेशल कोर्ट ने लोकायुक्त टीम को जांच का जिम्मा सौंपा है। दरअसल, कर्नाटक गवर्नर थावर चंद गहलोत ने 16 अगस्त को इस घोटाले में सिद्धारमैया के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे। सिद्धारमैया इसके खिलाफ हाईकोर्ट गए, लेकिन 24 सितंबर को अदालत ने भी कहा कि जांच का आदेश सही है, ये होनी चाहिए।

क्या है MUDA लैंड स्कैम ?

सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों का नाम MUDA लैंड स्कैम में आया है। एक्टिविस्ट टीजे अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा ने आरोप लगाया था कि CM ने MUDA अधिकारियों के साथ मिलकर 14 महंगी साइट्स को धोखाधड़ी से हासिल किया।

जांच के खिलाफ याचिका

जांच के खिलाफ सिद्धारमैया की याचिका हाईकोर्ट में खारिज 24 सितंबर को हाईकोर्ट ने MUDA स्कैम में सिद्धारमैया के खिलाफ जांच करने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत के आदेश को बरकरार रखा था। जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने राज्यपाल के आदेश के खिलाफ सिद्धारमैया की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा, 'याचिका में जिन बातों का जिक्र है, उसकी जांच जरूरी है। केस में मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है, इसलिए याचिका खारिज की जाती है।' राज्यपाल ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), 2023 की धारा 218 के तहत सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दी थी।

आदित्य ठाकरे की अगुवाई वाली युवा सेना की बड़ी जीत

युवा सेना ने 10 में आठ सीट पर हासिल की जीत ● यूनिवर्सिटी में 22 सितंबर को डाले गए थे वोट

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा मुंबई यूनिवर्सिटी सीनेट चुनावों में जबरदस्त जीत मिली हैं। उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे की अगुवाई वाली युवा सेना ने 10 में आठ सीनेट की बैठकों पर जीत हासिल की है। मुंबई यूनिवर्सिटी जिसे मुंबई विद्यापीठ के नाम से जाना जाता है। उसके सीनेट चुनाव दो बार किसी न किसी कारण से रद्द हो चुके थे। मुंबई विश्वविद्यालय सीनेट की 10 सीटों के लिए मतगणना शुक्रवार सुबह शुरू हुई थी। इससे पहले बॉम्बे हाई कोर्ट ने सीनेट चुनाव में वोटों की गिनती पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

मुंबई यूनिवर्सिटी सीनेट चुनाव

युवा सेना का आठ सीटों पर कब्जा

2018 के चुनावों में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली अविभाजित शिवसेना ने युवा सेना ने 10 में से 10 सीटें जीती थीं। सीनेट चुनावों के नतीजों के बाद आख़िरकार मुंबई यूनिवर्सिटी को ये चुनाव कराना पड़ा. इस चुनाव में ठाकरे ग्रुप की युवा सेना का कब्जा हो गया है। इन चुनावों को विधानसभा चुनावों के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा था। मुंबई यूनिवर्सिटी के सीनेट चुनावों में एबीवीपी मैदान में उतरी थी। सीनेट चुनावों में कुल 55 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। सीनेट की 10 सीटों में पांच सीटें रिजर्व हैं। बाकी पांच सीटें ओपन हैं। सीनेट चुनावों में कुल 28 उम्मीदवार मैदान में थे। ओबीसी वर्ग से युवा सेना के उम्मीदवार मयूर पांचाल ने मुंबई विश्वविद्यालय पंजीकृत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल की। सबसे पहले मयूर पांचाल का रिजल्ट आया। उन्हें करीब 5350 वोट मिले। उन्होंने एबीवीपी उम्मीदवार राकेश भुजबल को हराया। भुजबल को सिर्फ 888 वोटों से संतोष करना पड़ा है।

पुणे पोर्श कार हादसा

ब्लड सैंपल लेने के दौरान हुआ था बड़ा घपला

दोपहर संवाददाता | मुंबई/पुणे

19 मई की सुबह हुए पुणे के पोर्श एक्सिडेंट के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस का दावा है कि इस घटना के दौरान आरोपी नाबालिग के साथ कार में मौजूद दो अन्य लड़के भी नशे में थे। घटना के बाद ससून हॉस्पिटल में ब्लड सैंपल बदलने के लिए रिश्वत दी गई और तय किया गया कि आरोपी के परिवार वालों से उसका ब्लड सैंपल बदला जाएगा। यह हेराफेरी तत्काल नहीं हो सकी, क्योंकि लड़के का भाई और पिता भी शराब के नशे में थे। फिर उसकी मां का ब्लड सैंपल लिया गया। इस कारण जब प्रारंभिक मेडिकल रिपोर्ट दाखिल की गई तो उसमें रक्त में अल्कोहल नहीं मिला। बाद में इस धांधली का खुलासा होने पर सैंपल बदलने वाले डॉक्टरों और नाबालिग की मां को गिरफ्तार कर लिया गया।

पोर्श में बैठे दो अन्य लड़के भी नशे में टुन्न थे

पोर्श दुर्घटना मामले में पुणे पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि हादसे के बाद आरोपी नाबालिग को बचाने और पुलिस जांच को प्रभावित करने के लिए कई स्तरों से कोशिश की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 2.5 करोड़ रुपये की कार से बाइक सवार सॉफ्टवेयर इंजीनियर अनीश अवधिया और अश्विनी कोष्टा को कुचलने के बाद आरोपी नाबालिग को लोगों ने घेर लिया था। आरोपी लड़का इतना नशे में था कि वह मुश्किल से खड़ा हो पा रहा था। उसके साथ बैठे दो अन्य लड़के भी नशे में टुन्न थे। पुलिस प्रमुख अमितेश कुमार ने माना था कि स्थानीय पुलिस 19 मई की सुबह दुर्घटना के बाद प्रोटोकॉल का पालन करने में देर हुई।

अपराध उल्हासनगर पुलिस ने अश्लील फिल्मों में काम करने वाली रिया बर्डे को किया गिरफ्तार

बांग्लादेशी निकली पोर्न स्टार रिया बर्डे, सारे दस्तावेज फर्जी

मुनीब चौरसिया | मुंबई

महाराष्ट्र के उल्हासनगर में हिल लाइन पुलिस ने अश्लील फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री रिया बर्डे को गिरफ्तार किया है। रिया पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारत में रहने का आरोप है। रिया को आरोही बर्डे और बन्ना शेख के नाम से भी जाना जाता है। पुलिस का कहना है कि रिया बांग्लादेशी मूल की है और अपनी मां, भाई और बहन के साथ गैरकानूनी रूप से भारत में रह रही थी। पुलिस ने रिया के साथ-साथ उसकी मां अंजलि बर्डे उर्फ रूबी शेख, पिता अरविंद बर्डे, भाई रवींद्र उर्फ रियाज शेख और बहन रितु उर्फ मोनी शेख पर भी मामला दर्ज किया है। आरोप है कि रिया की मां ने भारत की नागरिकता पाने के लिए अमरावती के एक व्यक्ति से शादी की थी।

राज कुंद्रा के प्रोडक्शन से जुड़ी थी रिया बर्डे

पुलिस का कहना है कि रिया बर्डे राज कुंद्रा के प्रोडक्शन से जुड़ी हुई थी और उसने कई अश्लील फिल्मों में काम किया है। मामले की जांच कर रहे पुलिस सब-इंस्पेक्टर संग्राम मल्हार ने बताया कि जांच में हमने पाया कि रिया की मां अंजलि बांग्लादेश की रहने वाली है। वह रिया समेत अपनी दो बेटियों और एक बेटे के साथ गैरकानूनी रूप से भारत में रह रही थी।

भारतीय पासपोर्ट भी बनवाया

पुलिस ने बताया कि रिया की मां ने पश्चिम बंगाल की रहने वाली बनकर अरविंद बर्डे नाम के एक व्यक्ति से शादी कर ली थी। अरविंद अमरावती का रहने वाला है। बाद में रिया की मां ने अपने और अपने बच्चों के लिए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और अन्य फर्जी दस्तावेज जमा करके भारतीय पहचान हासिल कर ली और भारतीय पासपोर्ट बनवा लिया।

इससे पहले रिया बर्डे को मुंबई पुलिस ने देह व्यापार से जुड़े एक मामले में किया था गिरफ्तार

देह व्यापार मामले को पुलिस ने रिया को किया था अरेस्ट

पुलिस को पता चला है कि रिया के माता-पिता इस समय कतर में रह रहे हैं। पुलिस रिया के भाई और बहन की भी तलाश कर रही है। गौरतलब है कि रिया को इससे पहले मुंबई पुलिस ने देह व्यापार से जुड़े एक मामले में अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था।

कैसे सामने आया मामला?

पुलिस के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब रिया के एक दोस्त प्रशांत मिश्रा को पता चला कि वह मूल रूप से बांग्लादेश की रहने वाली है और गैरकानूनी रूप से भारत में रह रही है। प्रशांत ने इसकी शिकायत पुलिस से की। इसके बाद पुलिस ने रिया के दस्तावेजों की जांच की।

'वह पैदाइशी आतंकी नहीं था, समाज ने बनाया'

जितेंद्र आव्हाड की पत्नी ने लादेन की तुलना अब्दुल कलाम से की

दोपहर संवाददाता । ठाणे

एनसीपी-एसपी के नेता जितेंद्र आव्हाड की पत्नी ऋता आव्हाड ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम से आतंकी ओसामा बिन लादेन की तुलना की है। मुंब्रा के नूरबाग हॉल में अपनी पार्टी एनसीपी शरद चंद्र पवार की महिला कार्यकर्ताओं की बैठक में ऋता आव्हाड ने ओसामा बिन लादेन की तुलना देश के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम से कर दी। उन्होंने लोगों को लादेन की जीवनी पढ़ने की सलाह दी। ऋता आव्हाड ने कहा कि ओसामा बिन लादेन समाज की वजह से आतंकवादी बना। इस कार्यक्रम में एक्ट्रेस स्वरा भास्कर भी मौजूद थीं। इनके पति फहद अहमद मुंबई के अणुशक्ति नगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

सभी ओसामा बिन लादेन की आत्मकथा पढ़ें

महिला कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम में ऋता आव्हाड ने कहा कि आप सभी ओसामा बिन लादेन की आत्मकथा पढ़ें। जैसे एपीजे अब्दुल कलाम बाद में कलाम साहब बन गए। ओसामा बिन लादेन आतंकवादी बन गया। वह क्यों बना? वह पैदाइशी आतंकवादी नहीं था, है ना? समाज ने उसे आंतकी बनाया। वह गुस्से में आतंकवादी बन गया। ऋता आव्हाड के इस बयान के बाद सियासत गरमा गई है।

बीजेपी ने बोला हमला

बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि जितेंदर अव्हाड ने इशरत जहां का पक्ष लिया था। अब उनकी पत्नी ओसामा की आत्मकथा पढ़ने की सलाह दे रही हैं। यह वही मानसिकता है। अफजल हालात से कुचला हुआ है, याकूब गरीब है, बरहान एक गूंगा लड़का है। आतंकवाद पर पर्दा डालना एक स्वभाव बन गया है।

ससुराल की प्रताड़ना से तंग महिला ने की आत्महत्या

पति समेत 5 लोगों पर मामला दर्ज

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी तालुका के कशेली गांव की भाव रेसिडेंसी बिल्डिंग में दोपहर एक से डेढ़ बजे के दौरान 21 वर्षीय महिला द्वारा छत के पंखे से लटक कर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। इस प्रकरण में नारपोली पुलिस से मृतक महिला के परिजनों की शिकायत पर पति समेत कुल पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

क्या है मामला ?

पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जिला गोरखपुर की रहने वाली 21 वर्षीय सुष्मिता की शादी भिवंडी के काशेली गांव स्थित दत्ता मंदिर के पास भाव रेसिडेंसी में रहने वाले शैलेन्द्र हिरामन कनोजिया 29 के साथ हुई थी। शादी में पैसे कम देने के कारण पति व उसके सभी घर वाले सुष्मिता को मानसिक व शारीरिक रूप से लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। जिस से तंग आकर सोमवार की दोपहर एक से डेढ़ बजे के दौरान सुष्मिता ने घर के बेडरूम में छत में लगे फंखे में दुपट्टा से फंदा लगा कर फांसी लगा ली। इस प्रकरण में नारपोली पुलिस ने मृतक सुष्मिता के घर वालों की शिकायत पर उसके पति शैलेन्द्र हिरामन कनोजिया (29), जेठ शैलेश हिरामन कनोजिया (35), भाभी इंदु शैलेश कनोजिया (30), ससुर हिरामन कनोजिया (60), ननंद ममता (30) सहित कुल पांच लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर किए जाने को लेकर बीएनएस की धारा 108, 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। जिसकी जांच पुलिस उपनिरीक्षक संतोष शिंदे कर रहे है।

वायु को रोकने के लिए प्रतिष्ठानों को जैव ईंधन का उपयोग करने का निर्देश

दोपहर संवाददाता । कल्याण

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कल्याण डोंबिवली नगर निगम में होटल, रेस्तरां, ढाबा, बेकरी, तंदूर होटल, खुले रेस्तरां को वायु को रोकने के लिए दैनिक उपयोग में वाणिज्यिक ईंधन (लकड़ी, कोयला) के बजाय जैव ईंधन (एलपीजी, बिजली) का उपयोग करने का निर्देश दिया है। प्रदूषण. निर्देश दिए गए हैं. तदनुसार, बाजार और लाइसेंसिंग विभाग के माध्यम से उन प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए हैं जो अभी भी दैनिक उपयोग में जैव ईंधन के बजाय वाणिज्यिक ईंधन का उपयोग कर रहे हैं।

कई रेस्टोरेंट कर रहे हैं कोयले का उपयोग

नगर निगम क्षेत्र में होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, बेकरी, तंदूर होटल, खुले रेस्टोरेंट अपने दैनिक व्यवसाय में लकड़ी और कोयले का उपयोग कर रहे हैं. विहार और फाइनडाइन होटल को नोटिस दिया गया है क्योंकि वे तंदूर बनाने के लिए कोयले का उपयोग कर रहे हैं और नगरपालिका लाइसेंस प्राप्त किए बिना व्यवसाय कर रहे हैं। डोंबिवली परीक्षा भवन के श्रीकृष्णा बेकरी, रूबीना बेकरी को भी नोटिस जारी किया गया है। मनपा आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने अपील की है कि जो प्रतिष्ठान वाणिज्यिक ईंधन का उपयोग कर रहे हैं, वे अगले 15 से 20 दिनों में तत्काल अपने दैनिक व्यवसाय में जैविक ईंधन का उपयोग शुरू कर दें अन्यथा नगर निगम के बाजार एवं लाइसेंसिंग विभाग के माध्यम से इन प्रतिष्ठानों को सील करने की कार्रवाई की जायेगी

मुंबई, नवी मुंबई जैसे शहरों में बचे हरित क्षेत्रों को संरक्षित करने की जरूरत: सुप्रीम कोर्ट

दोपहर संवाददाता । मुंबई/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि मुंबई और नवी मुंबई जैसे शहरों में बाकी बची हरियाली को संरक्षित करने की जरूरत है। यह टिप्पणी मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को लेकर की है, जिसे शहर और औद्योगिक विकास निगम (सिडको) और नवी मुंबई द्वारा दायर किया गया था।

क्या है मामला ?

दरअसल बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसके तहत नवी मुंबई के स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स को 115 किलोमीटर दूर रायगढ़ जिले में स्थानांतरित कर दिया गया था। जो साल 2003 नवी मुंबई में 20 एकड़ जमीन खेल परिसर के लिए आवंटित की गई थी। साल 2016 में नवी मुंबई के योजना प्राधिकरण सिडको ने इस खेल परिसर के एक हिस्से को एक निजी डेवलेपर को आवंटित कर दिया, जिस पर रिहायशी और व्यवसायिक निर्माण किया जाना था।

115 किमी दूर स्थानांतरित किया खेल परिसर को

सरकार ने खेल परिसर की जगह को नवी मुंबई से 115 किलोमीटर दूर रायगढ़ जिले के मनगांव में स्थानांतरित करने का फैसला किया। इसके खिलाफ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, नवी मुंबई केंद्र ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर राज्य सरकार के फैसले को चुनौती दी। शीर्ष अदालत ने इस मामले की संक्षिप्त सुनवाई के दौरान कहा, यह एक बहुत ही प्रचलित प्रथा है। सरकार जो भी हरित क्षेत्र बचा है, उसे अतिक्रमण कर बिल्डरों को दे देती है। सीजेआई ने कहा कि, मुंबई और नवी मुंबई जैसे शहरों में बहुत कम हरियाली बची है। इन शहरों में ऊर्ध्वाधर विकास हुआ है। आपको ऐसी हरित जगहों को संरक्षित करना होगा और बिल्डरों को निर्माण के लिए नहीं देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की पीठ को यह जानकर भी आश्चर्य हुआ कि राज्य स्तरीय खेल परिसर के लिए दी गई जमीन को कुछ विकास के लिए दिया और प्रस्तावित सुविधाओं को रायगढ़ जिले में स्थानांतरित कर दिया गया।

पीठ ने सरकार के फैसले पर कंसा तंज

सुप्रीम कोर्ट ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि, खेल परिसर की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए 115 किलोमीटर की यात्रा कौन करेगा? कुछ वर्षों बाद उस जमीन का भी यही हश्र होगा। पीठ ने तंज कसते हुए पूछा कि ऐसी स्थिति में स्वर्ण पदक विजेता कैसे उभरेंगे? सिडको की ओर से कोर्ट में पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हाईकोर्ट के आदेश की आलोचना करते हुए कहा कि, वह नगर नियोजन गतिविधियां चलाना चाहता है, जो राज्य के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि, खेल परिसर के निर्माण के लिए बीस एकड़ जमीन पर्याप्त नहीं थी। इसके बदले में राज्य ने वैकल्पिक स्थल के तौर पर उस जमीन को निर्धारित किया था। उन्होंने कहा कि यह मामला शहरों के हरित फेफड़ों से संबंधित नहीं है, बल्कि यह नगर नियोजन गतिविधियों से संबंधित है। पीठ ने अब याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 30 सितंबर की तारीख तय की है।

कोर्ट ने व्यक्ति को दोस्त की हत्या के आरोप से किया बरी

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र में ठाणे जिले की एक अदालत ने नशे की हालत में अपने दोस्त पर हमला करने और उसकी जान ले लेने के आरोपी 29 वर्षीय एक व्यक्ति को बरी कर दिया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस बी अग्रवाल ने आशु छोटेलाल बर्मन को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत लगाए गए आरोपों से बरी कर दिया एवं कहा कि उसे संदेह का लाभ दिये जाने की जरूरत है।

क्या है पूरा मामला ?

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 15 अक्टूबर 2020 को 150 रुपये को लेकर शराब के नशे में हुए विवाद के बाद बर्मन ने अपने दोस्त राजू उर्फ सुदामा राजकरण पटेल पर लकड़ी से हमला कर दिया था। सुदामा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से संकेत मिला कि मौत का कारण 'हृदय गति रुकना, सदमा, बहु-आघात' था, जिसके बाद फोरेंसिक जांच की गई।सुनवाई के दौरान न्यायाधीश अग्रवाल ने कहा, ''ऐसा लगता तो है कि उस वक्त कुछ झगड़ा हुआ लेकिन स्पष्ट और ठोस साक्ष्य के अभाव में, आरोपी को हत्या करने के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है।'' न्यायाधीश अग्रवाल से इस बात पर जोर दिया कि ऐसी स्थिति में आरोपी संदेह के लाभ का हकदार है और उसे बरी किया जाता है।

पानी से भरी खदान में डूबने से दो बच्चों की मौत

दोपहर संवाददाता । पालघर

पालघर जिले के वसई में पानी से भरी खदान में तैरने गए दो बच्चों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में पुलिस का कहना है कि एक्सीडेंटल मौत का मामला दर्ज किया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, बच्चों का शव देख परिजनों में कोहराम मच गया। एमबीवीवी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 13 साल के नसीम चौधरी और 14 साल के सोपान चौहान गुरुवार दोपहर को तैरने के लिए नवजीवन इलाके में खदान में गए थे। इस दौरान डूबने से दोनों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे और उन्हें बाहर निकाला। फिर दोनों को पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने आगे बताया कि दोनों मृतक बच्चे धानिवबाग के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि एक्सीडेंटल मौत का मामला दर्ज किया गया है।

अफेयर का विरोध करने पर पत्नी के चेहरे पर फेंका एसिड

दोपहर संवाददाता । मुंबई

5 साल पहले की थी लव मैरिज

मुंबई के मालवणी इलाके में विवाहेतर संबंध का विरोध करने पर 34 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर एसिड फेंक दिया। इस घटना में पीड़िता गंभीर रूप से घायल हो गई। 27 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। कपल ने 2019 में प्रेम विवाह किया था। कुछ ही समय बाद महिला को पता चला कि उसका बेरोजगार पति ड्रग्स का आदी है और उसका किसी और महिला से अफेयर है। इसलिए उसने आरोपी पति से तलाक लेने का फैसला किया। महिला पिछले तीन महीने से मलाड में अपनी मां के साथ रह रही थी। 25 सितंबर की सुबह पति जबरन पीड़िता की मां के घर में घुस गया और पत्नी पर एसिड फेंक दिया।

जया शेट्टी हत्याकांड

गैंगस्टर छोटा राजन ने जमानत के लिए कोर्ट का खटखटाया दरवाजा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

गैंगस्टर राजेंद्र सदाशिव निकालजे उर्फ छोटा राजन ने मई 2001 में दक्षिण मुंबई में होटल व्यवसायी जया सेसु शेट्टी की हत्या के मामले में जमानत के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अदालत ने इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी किया है। विशेष अदालत ने शेट्टी हत्याकांड में राजन को आजीवन कारावास और 16 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। 10 अक्टूबर को मामले की अगली सुनवाई होगी। यह भी पढ़े -महाआघाडी में बड़े भाई की भूमिका में रहेंगे उद्धव ठाकरे, हुआ सीटों का बंटवारा

अदालत ने सीबीआई को जारी किया नोटिस

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति एम.एम. साथये की पीठ के समक्ष छोटा राजन की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में विशेष अदालत के फैसले को रद्द करने और जमानत का अनुरोध किया गया है। पीठ ने शुक्रवार को सीबीआई को नोटिस जारी किया। सीबीआई की जांच में सामने आया कि होटल मालिक जया शेट्टी की हत्या का जघन्य अपराध संगठित अपराध सिंडिकेट के प्रमुख के रूप में आरोपी छोटा राजन के निर्देश पर किया गया था। सीबीआई ने विशेष महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका)अदालत में 28 फरवरी 2019 को राजन के खिलाफ एक पूरक आरोप पत्र दायर किया था। इसमें हेमंत पुजारी को फरार दिखाया गया था।

उल्हासनगर में घर पर गिरा पेड़

फायर ब्रिगेड की तत्परता से बड़ा हादसा टला

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के चलते उल्हासनगर शहर में कई दुर्घटनाएं सामने आ रही है। उल्हासनगर-1 के नीलकंठ मंदिर के पीछे प्रभाग क्रमांक- 2 के बैरक नंबर 173 में रहने वाले अजय जोनवाल के घर पर आज तड़के एक बड़ा पेड़ गिर गया। इस घटना में घर की दीवार टूट गयी और पटरा भी क्षतिग्रस्त हो गया. सौभाग्य से घर में कोई नहीं था और कोई हताहत नहीं हुआ। इस घटना की जानकारी मिलते ही उल्हासनगर फायर ब्रिगेड के अधिकारी पंकज पवार अपनी टीम को मौके पर भेजा। फायर ब्रिगेड ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इलाके में आसपास के घरों को गिरा हुआ पेड़ की शाखाओं को कटर की मदद से काटकर सुरक्षित हटा दिया। परिसर के निवासियों ने फायर ब्रिगेड को उनकी तत्परता के लिए धन्यवाद दिया।

सिनेमाघरों में रिलीज हुई धर्मवीर- 2

कल्याण में शिवसेना नेता महेश गायकवाड ने धर्मवीर-2 के पोस्टर को दूध से नहलाया

दोपहर संवाददाता । कल्याण

महाराष्ट्र के सिनेमाघरों में फिल्म धर्मवीर 2 रिलीज हुई, जो धर्मवीर आनंद दिघे के जीवन पर आधारित है. राजनीतिक दलों की माने तो आगामी विधानसभा चुनाव से पहले यह फिल्म रिलीज हो रही हैं जो काफी चर्चा में है। इस फिल्म ने कल्याण शहर में एक नई ऊर्जा भर दी है। कल्याण पूर्व के शिवसेना नेता महेश गायकवाड़ ने शिव सैनिकों और महिलाओं के साथ मिलकर फिल्म के पोस्टर पर दूध से अभिषेक की। इस मौके पर शिव सैनिकों ने बजाते और नाचते हुए पंहुचे। दर्शकों में फिल्म देखने का खासा उत्साह देखा गया।

ठाणे सांसद म्हस्के ने ठाणे स्टेशन पर साफ सफाई में लिया हिस्सा

दोपहर संवाददाता । ठाणे

17 सितंबर से शुरू स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के चलते आज ठाणे के सांसद नरेश म्हस्के ने ठाणे रेलवे स्टेशन पर चल रही साफ सफाई में हिस्सा लिया। उन्होंने लोगों को आव्हान किया कि नागरिक गण इस अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लें ।मेरा घर, मेरा मुहल्ला, मेरा गांव और साथ ही मेरा शहर भी साफ रखने का गुण हर किसी को अपनाना चाहिए, तभी हमारे शहर, राज्य और देश को साफ रखने में मदद मिलेगी। ठाणे नगर निगम स्वच्छता के मामले में हमेशा अग्रणी रहा है और नगर निगम आयुक्त सौरभ राव ने कहा कि शहर में व्यापक स्वच्छता अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा हैं। इस मौके पर सांसद नरेश म्हस्के ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में पूरे महाराष्ट्र में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है, इस पर उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने बताया कि कहा कि सभी नागरिकों को भी इसमें सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाता है 'स्वच्छता पखवाड़ा'

हर साल 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक हर जगह 'स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया जाता है, जिसके अनुसार चारित्रिक स्वच्छता और संस्कृति स्वच्छता की अवधारणा को ठाणे नगर निगम द्वारा लागू किया जा रहा है और इसी पहल के तहत आज ठाणे रेलवे स्टेशन क्षेत्र की सफाई की गई। सांसद नरेश म्हस्के की उपस्थिति में पूरे रेलवे स्टेशन क्षेत्र की सफाई की गयी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से ठाणे नगर निगम, नगर निगम, ठाणे रेलवे प्रशासन के कर्मचारियों और कॉलेज के छात्रों ने एक साथ आकर पूरे ठाणे स्टेशन क्षेत्र की सफाई की गई। विधायक संजय केलकर ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हमें स्वच्छता की सीख दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे एक आंदोलन में बदल दिया है। इसलिए स्वच्छता एक आंदोलन नहीं बल्कि सभी का स्वभाव और संस्कृति बननी चाहिए। वैसे तो ठाणे नगर निगम ने 17 सितंबर से अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़े के मौके पर सफाई अभियान चलाया है, लेकिन पूरे साल भर मनपा इस अभियान को लगातार चलाती रहती है. प्रत्येक सप्ताह विभागवार व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस स्वच्छता पखवाड़े के अवसर पर पन्द्रह दिनों में विभिन्न स्थानों पर 150 गतिविधियों का आयोजन किया गया है।आज, ठाणे रेलवे स्टेशन परिसर, ठाणे रेलवे स्टेशन, भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर पुराणकृति प्रतिमा के आसपास सफाई अभियान चलाया गया। इसके साथ ही सभी उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई।

घोडबंदर रोड पर सुचारू यातायात के लिए ठाणे मनपा सक्रिय

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे में लगभग दस किलोमीटर लंबे ईस्टर्न एक्सप्रेस घोडबंदर रोड के बाधित यातायात को मानसून उपरांत यातायात को सुधारने के लिए ठाणे महानगर पालिका के अधिकारी बहुत सक्रिय है। घोडबंदर रोड पर ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाने को लेकर पंद्रह दिन पहले सभी अधिकारियों की बैठक हुई थी। इसी की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को मनपा आयुक्त की अध्यक्षता में मनपा में बैठक हुई। आयुक्त सौरभ राव ने पिछले पन्द्रह दिनों में की गई कार्यवाही की समीक्षा की। बैठक में पुलिस उपायुक्त (यातायात) पंकज शिरसाट, तिरूपति काकड़े, उपनगरीय अभियंता विकास ढोले, घोड़बंदर रोड के नोडल अधिकारी और कार्यकारी अभियंता संजय कदम के साथ-साथ लोक निर्माण विभाग, क्षेत्रीय परिवहन विभाग, राज्य सड़क विकास निगम के साथ-साथ उपस्थित थे।

नगर पालिका और अन्य अधिकारियों का सिस्टम लगातार कर रहा है काम

बताया जाता है कि घोड़बंदर रोड पर ट्रैफिक जाम को दूर करने के लिए नगर पालिका और अन्य अधिकारियों का सिस्टम लगातार काम कर रहा है और इससे कुछ हद तक ट्रैफिक जाम को कम करने में मदद मिल रही है और भविष्य में यह सिस्टम और अधिक गतिशील रूप से काम करेगा समन्वय में है और नगर निगम प्रशासन को लगातार इसकी जानकारी मिल रही है।आज. इस बैठक में आयुक्त सौरभ राव ने कहा कि समय-समय पर नागरिकों से प्राप्त होने वाली शिकायतों पर विचार कर उनका त्वरित निराकरण करते हुए संबंधित वार्ड समिति के सहायक आयुक्त, कार्यपालन यंत्री, उपयंत्री की ओर से वास्तविक कार्य पर भी नजर रखी जा रही है। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों की ओर से मांग की गई कि मौजूदा घोडबंदर रोड फ्लाईओवर के दोनों किनारों पर रात में पर्याप्त रोशनी प्रदान करने के लिए लाइटें लगाई जाएं, साथ ही सड़क पर टूटे हुए चैंबरों की मरम्मत की जाए, गड्ढों को तत्काल भरा जाए आदि। कमिश्नर सौरभ राव ने संबंधित एजेंसियों को इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं।

धनगर संगठन ने शिवसेना को समर्थन देने से किया इंकार

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र में धनगर समुदाय के एक संगठन ने अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी के तहत आरक्षण की उनकी मांग की ओर ध्यान नहीं दिए जाने पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को समर्थन नहीं देने की घोषणा की। पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा क्षेत्र का चरवाहा समुदाय धनगर अपने आप को एसटी श्रेणी में शामिल किये जाने की मांग कर रहा है। समुदाय का कहना है कि केंद्र के 'डेटाबेस' में 'धनगर' का कोई उल्लेख नहीं होने के कारण उन्हें आरक्षण से वंचित रखा गया है। लेकिन 'धनगड़' को एसटी के रूप में चिन्हित किया गया है। धनगर वर्तमान में खानाबदोश जनजातियों की सूची में हैं।

दो बजे
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
दोपहर

बदलापुर केस

दफनाया जाएगा अक्षय शिंदे

बॉम्बे हाईकोर्ट का पुलिस को निर्देश, पुलिस को सुरक्षित स्थान खोजने को कहा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बदलापुर स्कूल कांड के आरोपी अक्षय शिंदे को हिंदू होने के बाद भी विधि से अंतिम संस्कार की बजाए दफनाया जाएगा। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पुलिस को अक्षय शिंदे के शव को दफनाने के लिए निर्जन स्थान की पहचान करने का निर्देश दिया। 23 सितंबर को ठाणे पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग करते हुए अक्षय शिंदे का एनकाउंटर कर दिया था। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति एम. एम. सथाये की पीठ ने कहा कि एक बार स्थान की पहचान हो जाने पर पुलिस शिंदे के परिवार के सदस्यों को इसकी सूचना देगी, ताकि शव को दफनाया जा सके।

पिता ने खुद किया था कोर्ट से आग्रह

हाईकोर्ट ने अभियोजन पक्ष की इस दलील को खारिज कर दिया कि शिंदे के समुदाय में शवों को दफनाने की कोई प्रथा नहीं है तथा इसे उनके माता-पिता की इच्छा बताया। शिंदे के पिता ने अपने बेटे के शव को दफनाने के लिए जगह की व्यवस्था किए जाने का अनुरोध करते हुए शुक्रवार को हाईकोर्ट का रुख किया। पिता ने दावा किया कि वह शिंदे के शव को दफनाने की जगह नहीं तलाश पाए। सरकारी वकील हितेन वेनेगांवकर ने अदालत को बताया कि बदलापुर और पड़ोसी इलाकों के सभी कब्रिस्तानों ने शिंदे के शव को दफनाने से इनकार कर दिया है और इसका विरोध किया है।

पुलिस सुनिश्चित करे शांतिपूर्ण प्रक्रिया

वेनेगांवकर ने अदालत को बताया कि पुलिस शव को दफनाने के लिए निर्जन स्थान की पहचान करने के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस यह भी सुनिश्चित करेगी कि कोई अप्रिय घटना न घटे। वेनेगांवकर ने कहा कि परिवार को इस बारे में सूचित किया जाएगा। लेकिन उन्हें इसे कोई कार्यक्रम बनाने की जरूरत नहीं है। परिवार के सदस्यों को पुलिसर्मियों के साथ (दफनाने की जगह पर) ले जाया जाएगा। पीठ ने इस बयान को स्वीकार कर लिया और मामले की सुनवाई 30 सितंबर के लिए स्थगित कर दी। वेनेगांवकर ने दावा किया कि पुलिस ने पूछताछ की, तो पता चला कि शिंदे के समुदाय में दफनाने की कोई प्रथा नहीं है।

दफनाने की नहीं है परंपरा

वेनेगांवकर कहा कि हमारी जांच में पाया गया है कि दफनाने की ऐसी कोई परंपरा नहीं है। परिवार के वकील का कहना है कि वे केवल इसलिए दफना रहे हैं, ताकि भविष्य में शव को निकालने का विकल्प बना रहे। उनके समुदाय के सभी वरिष्ठ सदस्यों ने खुद कहा है कि ऐसी कोई प्रथा नहीं है। पीठ ने हालांकि कहा कि समुदाय यह तय नहीं करेगा कि माता-पिता क्या चाहते हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि किसी को भी फैसला लेने का अधिकार नहीं है। यह माता-पिता को तय करना है। पिता के वकील अमित कटरनवारे ने अदालत को बताया कि बृहस्पतिवार को परिवार ने एक स्थान की पहचान कर ली थी और अंबरनाथ नगर परिषद से अनुमति भी मांगी थी।

मिल रही हैं धमकियां

कटरनवारे ने कहा कि हालांकि अंबरनाथ नगर परिषद के सीईओ ने अनुमति नहीं दी। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार को धमकियां मिल रही हैं। अदालत ने कहा कि वे पुलिस में शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जो इस पर गौर करेगी। वेनेगांवकर ने कहा कि पुलिस परिवार और उनके आवास पर नजर रख रही है तथा यह सुनिश्चित करेगी कि कानून-व्यवस्था की कोई समस्या उत्पन्न न हो या कोई अप्रिय घटना न घटे। एक स्कूल में दो लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 24 साला के शिंदे को गिरफ्तार किया गया था।

ट्रांजिट रिमांड में हुआ एनकाउंटर

23 सितंबर को अक्षय शिंदे को ठाणे पुलिस ने उसे ट्रांजिट रिमांड में लिया था। पुलिस अक्षय शिंदे की दूसरी पत्नी की शिकायत पर उसके खिलाफ दर्ज एक मामले की जांच के लिए उसे तलोजा जेल से बदलापुर आ रही थी। तभी कथित तौर पर गोलीबारी हुई, जिसमें उसकी मौत हो गई। यह घटना सोमवार शाम ठाणे में मुंब्रा बाईपास के पास हुई, जब शिंदे ने कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी की बंदूक छीन ली। पुलिस की कथित जवाबी गोलीबारी में वह मारा गया। परिवार ने गुरुवार को दावा किया था कि शिंदे ने दाह संस्कार के बजाय दफनाए जाने की इच्छा जताई थी। शिंदे का शव ठाणे के कलवा इलाके में एक नगर निकाय के अस्पताल के शवगृह में रखा गया है। (एजेंसी इनपुट के साथ)

बॉम्बे हाईकोर्ट ने इंद्राणी को विदेश यात्रा को मंजूरी देने से किया इनकार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को शीना बोरा हत्याकांड की मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी को विदेश जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अदालत ने सीबीआई की याचिका को स्वीकार करते हुए ट्रायल कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया है। ट्रायल कोर्ट ने इंद्राणी मुखर्जी को विदेश जाने की अनुमति दे दी थी। न्यायमूर्ति श्याम चांडक की एकलपीठ के समक्ष सीबीआई की दायर याचिका पर सुनवाई हुई। सीबीआई ने याचिका में इंद्राणी को विदेश में जाने की अनुमति देने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। पीठ ने कहा कि यह निर्णय मुखर्जी के खिलाफ आरोपों की गंभीरता या योग्यता पर आधारित नहीं था, बल्कि इस बात पर आधारित था कि क्या उनके विदेश जाने की वास्तव में आवश्यकता थी। अधिकारी उनके द्वारा विदेश में किए जाने वाले कार्यों को पूरा करने में उनकी सहायता कर सकते हैं।

स्पेन जाने की योजना

मुखर्जी ने स्पेन जाने की योजना बनाई थी, क्योंकि वहां उनके और उनके पूर्व पति पीटर मुखर्जी के संयुक्त बैंक खाते हैं। इसके अतिरिक्त उनके स्वामित्व वाली एक संपत्ति कथित तौर पर जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। मुखर्जी के वकील ने दावा किया कि उन्हें संयुक्त खातों को एकल स्वामित्व में बदलने, बायोमेट्रिक और केवाईसी प्रक्रियाओं को पूरा करने, संपत्ति कर का भुगतान करने और अन्य संबंधित मामलों को संभालने की आवश्यकता थी।

10 दिनों के लिए विदेश यात्रा करने की मिली थी अनुमति

ट्रायल कोर्ट ने मुखर्जी को 10 दिनों के लिए विदेश यात्रा करने की अनुमति दी थी। सीबीआई के वकील श्रीराम शिरसाट की दलील थी कि एक ब्रिटिश नागरिक के रूप में मुखर्जी के भागने का जोखिम है। मुखर्जी के वकील रंजीत सांगले ने इस बात का विरोध किया कि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत देते समय उनकी ब्रिटिश नागरिकता के बावजूद उनके भागने का जोखिम नहीं माना। मुखर्जी अपनी बेटी शीना बोरा की कथित हत्या के लिए अभियोजन का सामना कर रही हैं, जो 2012 में गायब हो गई थी। यह मामला 2015 में तब सामने आया था, जब मुखर्जी के ड्राइवर को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

अणुशक्ति नगर सीट से लड़ेंगे सपा नेता फहाद अहमद

- उम्मीदवारी पर सुप्रिया ने लगा दी मुहर
- सुप्रिया सुले ने अबू आजमी की मौजूदगी में MVA की सभा की

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में मुंबई की अणुशक्ति नगर विधानसभा सीट पर दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री नवाब मलिक के सामने स्वरा भास्कर के पति फहाद अहमद चुनाव लड़ेंगे। शुक्रवार को महाविकास आघाडी की संयुक्त मीटिंग में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने भी पहुंची। इस मौके पर सुप्रिया सुले ने इमोशनल कार्ड खेला और अजित पवार गुट में शामिल नवाब मलिक पर निशाना साधा। सुले ने कहा कि जिन लोगों को नवाब मलिक से एलर्जी थी, उन्हें एक साल में क्या हो गया? वे कहते थे कि मेरी लड़ाई तब तक खत्म नहीं होगी जब तक मैं पवार साहब को उनकी बनाई पार्टी और उनका सिंबल नहीं दे देता। सुले ने कहा कि जब मैं नवाब भाई को बीजेपी में देखती हूं तो मुझे दुख होता है।

अणुशक्ति नगर में MVA की सभा

महाविकास आघाडी की तरफ से अणुशक्ति नगर पर अभिनेत्री स्वरा भास्कर के पति फहाद अहमद की उम्मीदवारी तय मानी जा रही है। वह समाजवादी पार्टी के नेता हैं। उनके समर्थन में सभा को संबोधित करते हुए सुले ने कहा कि अनिल देशमुख पर 100 करोड़ के आरोप लगाए गए, लेकिन एफआईआर में केवल 1 करोड़ का उल्लेख किया गया। सुले ने देशमुख के परिवार द्वारा उठाई गई तकलीफों का जिक्र किया। सुले ने फहाद अहमद के लिए आयोजित जनसभा में हिंदी में ही संबोधन दिया। फिर उनका भाषण नवाब मलिक के मामले की ओर मुड़ गया।

'सिर्फ वहीं ड्रग्स पर बोलते थे'

सुले बोलीं अगर इस राज्य में ड्रग्स के बारे में बोलने वाला कोई व्यक्ति था, तो वह नवाब भाई थे। उन्होंने उनके साथ क्या किया? उन्होंने उन्हें जेल में डाल दिया। इसके बाद भीड़ ने तालियों से जवाब दिया। सुले ने नवाब मलिक के हालिया राजनीतिक बदलाव पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जब मैं नवाब भाई को भाजपा में देखती हूं तो मुझे दुख होता है। जिस पार्टी ने आपको जेल में डाला, आप भी उन्हीं में शामिल हो गए। जब नवाब भाई को जेल में डाला गया, जब उन्हें अदालत जाना पड़ा, जब वे अस्पताल में थे, तो उनके साथ कौन था?

'मैंने उनके आंसुओं को देखा है'

सुले ने मलिक के परिवार द्वारा झेली गई कठिनाइयों को याद किया, उनकी भावनात्मक पीड़ा को रेखांकित किया। सुले ने कहा कि मैंने नवाब भाई की पत्नी, उनके बच्चों के आंसू देखे हैं। नवाब भाई शायद भाजपा द्वारा उनके साथ किए गए अन्याय को भूल गए हों, लेकिन मैं नहीं भूली हूं। सुले ने एमवीए की ताकत और चुनौतीपूर्ण समय के दौरान प्रमुख सहयोगियों से मिले समर्थन पर जोर दिया। मैं अखिलेश यादव और डिंपल यादव की आभारी हूं कि उन्होंने उस कठिन समय में हमारा साथ दिया। वे मुझे फोन करते थे, उन्होंने कहा कि वे हमारा नाम और चुनाव चिह्न छीन लिए जाने के बाद भी हमारे साथ खड़े रहेंगे।

लाडली बहन योजना पर किया कटाक्ष

रैली जारी रहने के दौरान सुले ने अणुशक्ति नगर में स्थानीय मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित किया और निर्वाचन क्षेत्र में बदलाव का वादा किया कि मैं आपसे वादा करती हूँ कि अणुशक्ति नगर से अगला विधायक एमवीए से होगा। और जब हमारा विधायक सत्ता में आएगा, तो जिस सड़क पर आप चले थे। जिसमें हर जगह गड्ढे थे। सुले ने कहा कि यहां की महिलाएं मुझसे कहती हैं कि हमें 1,500 रुपये नहीं चाहिए। हमें महिलाओं की सुरक्षा चाहिए। हम आपको 2,000 रुपये देंगे, लेकिन हमारे बच्चों को अपने पास रख लीजिए।

पर्यटकों को मिलेंगी पांच सितारा दर्जे की सुविधाएं : महाजन

मुंबई/छत्रपति संभाजीनगर। प्रदेश के पर्यटन मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि आगामी समय में पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को पांच सितारा दर्जे की सुविधाएं मिलेंगी। इसके लिए राज्य के पर्यटन स्थलों पर जल्द ही विभिन्न सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में महाजन ने छत्रपति संभाजीनगर स्थित वेरुल के राष्ट्रकुट पर्यटक निवास का ऑनलाइन उद्घाटन किया। राष्ट्रकुट पर्यटक निवास का निर्माण महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल (एमटीडीसी) के जरिए किया गया है। राज्य अतिथिगृह सह्याद्री में आयोजित कार्यक्रम में पर्यटन विभाग की सचिव जयश्री भोज, एमटीडीसी के प्रबंध निदेशक मनोज सूर्यवंशी, पर्यटन निदेशक डॉ बी एन पाटील, एमटीडीसी के महाप्रबंधक चंद्रशेखर जयस्वाल उपस्थित थे। महाजन ने कहा कि यूनेस्को ने वेरूल गुफाओं को वर्ल्ड हेरिटेज सूची में शामिल किया है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

हाइड्रोलिक अभियंता विभाग
ई-निविदा सूचना

निविदा दस्तावेज क्र.	2024_एमसीजीएम_1087052_1
संगठन का नाम	बृहन्मुंबई महानगरपालिका
विषय	ए.ई. (रखरखाव) डब्ल्यू.डब्ल्यू.डब्लूएस दक्षिण डिवीजन के तहत के वार्डों में पानी के मुख्य पाइपों पर स्थापित नियंत्रण वाल्वों के लिए फाल्स की व्यवस्था का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।
जांच शुल्क	रु.3,894/+(3,300/+18%जीएसटी या लागू जीएसटी)
ई-निविदा की लागत (अनुमानित लागत)	आयटम दर निविदा
बोली जांच जमा/ईएमडी	रु.18,000/- बोलीदाता को जीओएम के भुगतान गेटवे के माध्यम से यूआरएल http://mahatender.gov.in पर ईएमडी की पूरी राशि का भुगतान करना होगा। बोलीदाता को पैकेट ए में बोली जमा करने के साथ ऑनलाइन भुगतान की गई ईएमडी की स्कैन की गई प्रति अपलोड करनी होगी। स्वीकार्य बोली सुरक्षा के बिना किसी भी बोली को नियोक्ता द्वारा गैर-उत्तरदायी के रूप में अस्वीकार कर दिया जाएगा।
निविदा जारी करने और बिक्री की तारीख	27/09/2024 को सुबह 11.00 बजे से
निविदा की बिक्री और बोली की प्राप्ति की अंतिम तिथि और समय सुरक्षा जमा	11/10/2024 को शाम 04.00 बजे तक
पकैट ए, बी, और सी (ऑनलाइन) जमा करना	11/10/2024 को शाम 04.00 बजे तक
बोली-पूर्व बैठक	NA
पैकेट ए जमा करना	14/10/2024 को शाम 04.01 बजे से
पैकेट बी जमा करना	14/10/2024 को शाम 04.05 बजे के बाद
पैकेट सी खोलना	21/10/2024 को दोपहर 03.00 बजे के बाद
वेबसाइट	**http://portal.mcgm.gov.in - https:// maha-tenders.gov.in**
संपर्क के लिए पता	सहायक अभियंता (रखरखाव) जल कार्य डब्ल्यूएस एस, नीचे कैप. विनायक गोरे फ्लाईओवर ब्रिज, दादाभाई पथ, विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई-400056.
बोली खोलने का स्थान	सहायक अभियंता (रखरखाव) जल कार्य डब्लू एस दक्षिण के कार्यालय में ऑनलाइन

यह निविदा दस्तावेज हस्तांतरणीय नहीं है।

एमसीजीएम किसी भी आवेदन को स्वीकार करने या उपरोक्त विषय के लिए प्राप्त किसी भी या सभी आवेदनों को बिना कोई कारण बताए अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हस्ता./
उप हाइड्रोलिक अभियंता (रखरखाव)

पीआरओ/1430/विज्ञा./2024-25

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/CO/OW/ 2024 /52502 सहकार कक्ष, झो.पु.प्रा., बृहन्मुंबई,
जा.क्र. झोपुप्रा/सहा/कार्यासन-1/ टे .सी. 6/ सन 2024 दिनांक : 25.09.2024

-: सर्वसाधारण सभेची नोटीस :-

श्री साई कमर्शियल प्रिमायसेस सहकारी गृहनिर्माण संस्था (नियो.), न. भू. क्रं. ६५२ (भाग), प्लॉट नं. ०४, अमर महल, डब्ल्यू टी. पाटील मार्ग, चेंबूर, मुंबई - ४०० ०७१ या संस्थेचा प्राधिकरणाकडील परिपत्रक क्रं. १४४ (ड) नुसार प्रस्ताव या विभागास प्राप्त झालेला आहे. सदर प्रस्तावाच्या अनुषंगाने सदर संस्थेची सर्वसाधारण सभा आयोजित करणेकरीता मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था (पुर्व व पश्चिम उपनगरे), झोपुप्रा यांनी दि. २६/०८/२०२४ रोजीच्या पत्रान्वये माझी नियुक्ती केलेली आहे.

त्यानुसार प्राधिकरणाकडील परिपत्रक क्रं. १४४ (ड) नुसार सदर संस्थेची सर्वसाधारण सभा **दि. ०९/१०/२०२४ रोजी दुपारी ०३.०० वाजता स्थळ:- नरमदेवश्वर महादेव सेवा ट्रस्ट, मंडाळा बी कॅम्प, सायन ट्रॉम्बे रोड, मानखुर्द, मुंबई - ४०० ०८८** येथे आयोजित करण्यात आलेली आहे. तरी सदर वेळेस प्रारूप परिशिष्ट - २ मधील सर्व झोपडीधारकांनी मतदानासाठी उपस्थित रहावे, ही विनंती.

-: सभेपुढील विषय :-

1. नियोजित संस्थेचे मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची निवड करणे.
2. नियोजित संस्थेचे विकासक व वास्तुविशारद यांची निवड करणे.

दिनांक : 25/09/2024
ठिकाण : मुंबई

सही/-
(अरुण जाधव)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी-1, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई

१. सदर सभेस फक्त प्रारुप परिशिष्ट - २ मध्ये नमूद झोपडीधारकास प्रवेश व मतदानाचा हक्क राहील, अन्य व्यक्ती / झोपडीधारकास सभेच्या हॉलमध्ये प्रवेश राहणार नाही किंवा त्यांना मतदानाचा हक्क राहणार नाही.
२. सभेस संस्थेच्या प्रारुप परिशिष्ट - २ मधील झोपडीधारक पती / पत्नी या दोघांपैकी एकाच व्यक्तीस उपस्थित राहता येईल. इतर नातेवाईकांना अथवा प्रतिनिधींना उपस्थित राहता येणार नाही.
३. प्रारूप परिशिष्ट - २ मधील व्यक्तींना स्वतःची ओळख होईल अशा ओळखपत्रासह (आधार कार्ड/ निवडणूक ओळखपत्र / पॅनकार्ड इत्यादी) उपस्थित रहावे.
४. संस्थेच्या सभासदांना सभागृहात प्रवेश देते वेळी त्यांनी त्यांची ओळख पटवून सभेच्या उपस्थिती नोंदवहीत स्वाक्षरी करुन व बायोमॅट्रीक पध्दतीने उपस्थिती नोंदविल्यानंतरच सभागृहात प्रवेश दिला जाईल.
५. सभेच्या कामकाजाचे प्राधिकरणामार्फत व्हिडीओ चित्रिकरण करण्यात येईल. सदर सभेचे व्हिडीओ चित्रीकरण करण्यास इतर कोणास परवानगी राहणार नाही.

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/CO/OW/ 2024 /52677 सहकार कक्ष, झो.पु.प्रा.
दिनांक : 26.09.2024

-: नोटीस :-

शिव सरोवर एस.आर.ए. सहकारी गृहनिर्माण संस्था (नियो), सी.टी.एस.नं. १०२, १०२/१ ते ६२, व्हिलेज कांजूर, ता. कुर्ला, एम.एस.डी. एस वॉर्ड, ६४, शिव निवास, रामबाबू लाल, शिवाजी तलाव जवळ, एस.पी.एस. मार्ग, भांडुप (पश्चिम), मुंबई - ४०० ०७८ या संस्थेचे परिशिष्ट - २ मा. उपजिल्हाधिकारी (अति/निष्का) तथा सक्षम प्राधिकारी, भांडुप यांनी निर्गमित केलेले असून सदरील परिशिष्ट - २ मध्ये पात्र असणा या झोपडीधारकांची सहकारी गृहनिर्माण संस्था नोंदणी करण्यासाठी आवश्यक असणारी नोंदणीपूर्व सभा घेण्यासाठी मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था, (पुर्व व पश्चिम उपनगरे) झो.पु.प्रा. यांच्या दिनांक २१/०८/२०२४ रोजीच्या आदेशान्वये माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

त्यानुसार योजनेतील पात्र झोपडीधारकांची सर्वसाधारण सभा **दिनांक ११ ऑक्टोंबर, २०२४ रोजी, दुपारी ०३.०० वाजता, स्थळ : रामकली विद्यामंदिर, शिवरामसिंग हॉल, सन्मानसिंग मार्ग, भांडुप (प), मुंबई - ४०० ०७८** येथे आयोजित करण्यात आलेली आहे. सदरील सभेत खालील विषयावर चर्चा होवून निर्णय घेण्यात येणार आहे. तरी सदर सभेत उपस्थित रहावे ही विनंती.

-: सभेचे विषय :-

१) मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची निवड करणे.
२) नियोजित संस्थेच्या नावास मान्यता घेणे व नांव आरक्षण प्रस्ताव दाखल करणेबाबत निर्णय घेणे.
३) संस्थेसाठी नविन उपविधी स्विकारण्यासाठी मंजूरी देणे.
४) संस्थेच्या नोंदणी प्रस्तावावर सहया करण्यासाठी मुख्यप्रवर्तक यांना अधिकार देणे.
५) भाग भांडवल व प्रवेश फी जमा करणेबाबत निर्णय घेणे.
६) संस्थेचे बँक खाते उघडण्यास मुख्यप्रवर्तक यांना प्राधिकृत करणे.
७) मागाहून पात्र होणा या झोपडीधारकांना संस्थेचे सभासद करून घेणे अथवा अपात्र झोपडीधारकांचे सभासदत्व रद्द करण्याचे अधिकार कार्यकारी मंडळास देणे.

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : 26/09/2024

सही/-
(अरविंद जे. कांबळे)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी,श्रेणी-2, झोपुप्रा, मुंबई

सुचना :

* मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक निवडणूकीचा कार्यक्रम खालीलप्रमाणे राहील.

अ.क्र.	वेळ	विषय
१)	सभेच्या दिलेल्या वेळेपासून २ तास	मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांच्यासाठी नामनिर्देशन अर्ज दाखल करणे.
२)	१५ मिनिटे	आलेल्या अर्जांची छाननी करणे.
३)	१५ मिनिटे	नामनिर्देशन पत्र परत घेणे.
४)	१५ मिनिटे	पॅनलची मागणी करणे.
५)	पुढील अर्धातास	चिन्ह वाटप करणे.

* मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक या पदासाठीचे विहीत अर्ज प्राधिकृत अधिकारी यांच्याकडे उपलब्ध असतील.
* मुख्यप्रवर्तक पदासाठी एक मतपत्रिका व प्रवर्तक मंडळातील सदस्यांसाठी एक मतपत्रिका अशा एकूण ०२ मतपत्रिका राहतील.
* विषय पत्रिकेवरील विषय क्र. १ नुसार मुख्यप्रवर्तकाची निवड होईपर्यंत सभेचे प्राधिकृत अधिकारी अध्यक्ष म्हणून काम पाहतील त्यानंतर मुख्यप्रवर्तक हे सभाअध्यक्ष म्हणून काम पाहतील. (सदरील सभेत विषय पत्रिकेवर दिलेल्या विषयाशिवाय अन्य विषयावर चर्चा करता येणार नाही)
* सभेस नियोजित संस्थेच्या मंजूर परिशिष्ट - २ मधील पात्र झोपडीधारक पती / पत्नी या दोघांपैकी एकाच व्यक्तीस उपस्थित राहता येईल. इतर नातेवाईकांना अथवा प्रतिनिधींना उपस्थित राहता येणार नाही.
* मंजूर परिशिष्ट - २ मधील व्यक्तींनी स्वतःची ओळख होईल अशा ओळखपत्रासह (आधार कार्ड / निवडणूक ओळखपत्र / पॅनकार्ड इत्यादी) उपस्थित रहावे.
* संस्थेच्या पात्र सभासदांना सभागृहात प्रवेश देते वेळी त्यांनी त्यांची ओळख पटवून सभेच्या उपस्थिती नोंदवहीत स्वाक्षरी करुन व बायोमॅट्रीक पध्दतीने उपस्थिती नोंदविल्यानंतरच सभागृहात प्रवेश दिला जाईल.
* सभेच्या कामकाजाचे प्राधिकरणामार्फत व्हिडीओ चित्रिकरण करण्यात येईल.
* मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची एकूण संख्या सहकारी गृहनिर्माण संस्थांच्या आदर्श उपविधीमध्ये निश्चित केल्याप्रमाणे राहील.

संपादकीय

दर्द बांटती दवा

यह खबर परेशान करने वाली है कि बुखार, दर्द, उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि से मुक्ति दिलाने का दावा करने वाली 53 दवाइयां जांच में गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। देश में धड़ल्ले से इस्तेमाल होने वाली पैरासिटामोल भी इन दवाओं में शुमार है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। केंद्रीय औषधि नियामक ने गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी की है। आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से गुरेज करती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। विडंबना देखिए कि लोगों द्वारा आमतौर पर ली जाने वाली पैरासिटामोल भी जांच में फेल पायी गई। आम धारणा रही है कि गाहे-बगाहे होने वाले बुखार-दर्द आदि में इस दवा का लेना फायदेमंद होता है। निश्चय ही केंद्रीय औषधि नियामक की गुणवत्तारहित दवाओं की सूची में इसके शामिल होने से लोगों के इस विश्वास को ठेस पहुंचेगी। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये दुखी मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। व्यथित करने वाली बात है कि सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन यानी सीडीएससीओ ने हालिया मासिक रिपोर्ट में जिन गुणवत्ता रहित दवाओं का उल्लेख किया है, उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। जिन्हें बड़ी कंपनियों के नाम से बेचा जा रहा है। इससे उन मरीजों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ जाएंगी जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं। बताते हैं कि फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। यद्यपि सीडीएससीओ ने 53 दवाओं की गुणवत्ता की जांच की थी,लेकिन 48 दवाओं की सूची ही अंतिम रूप से जारी की गई। वजह यह बतायी जा रही है कि सूची में शामिल पांच दवाइयां बनाने वाली कंपनियों के दावे के मुताबिक, ये दवाइयों उनकी कंपनी की नहीं हैं वरन बाजार में उनके उत्पाद के नाम से नकली दवाइयां बेची जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए।

शख्सियत

गुर्रम जशुवा

एक प्रसिद्ध तेलुगु कवि और लेखक

गुर्रम जशुवा भारत के एक प्रसिद्ध तेलुगु कवि और लेखक थे। उनका जन्म 28 सितंबर, 1895 को आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के विनुकोंडा नामक एक छोटे से गाँव में हुआ था। उनका पूरा नाम गुर्रम जोशुआ था, लेकिन साहित्यिक हलकों में उन्हें जशुवा के नाम से जाना जाता है।

जशुवा के पिता गुर्रम गोपय्या और उनकी माँ लिंगम्मा थीं। उनके परिवार को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, क्योंकि वे निचली जाति से थे, और इसने बाद के जीवन में उनके काम को बहुत प्रभावित किया। जशुवा को शिक्षा का शौक था, लेकिन गरीबी और भेदभाव के कारण, उन्हें अपने शुरुआती वर्षों में उचित शिक्षा नहीं मिल सकी। हालाँकि, उन्हें पढ़ना बहुत पसंद था और उन्होंने किताबें पढ़कर और अलग-अलग शिक्षकों से सीखकर खुद को पढ़ाया। वे वेमना और टिक्काना जैसे महान तेलुगु कवियों और लेखकों से बहुत प्रभावित थे। जशुवा की कविताएँ जातिगत भेदभाव, गरीबी और असमानता जैसे सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित थीं। वे अन्यायपूर्ण जाति व्यवस्था के खिलाफ़ आवाज़ उठाने वाले तेलुगु साहित्य के पहले कवियों में से एक थे। अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्होंने हाशिए पर पड़े समुदायों के संघर्षों को उजागर किया और समाज में एकता और समानता की आवश्यकता के बारे में बात की। उनकी सबसे प्रसिद्ध रचनाओं में से एक 'गब्बिलम' (चमगादड़) है, जो एक अनूठी शैली में लिखी गई एक लंबी कविता है। इस कविता में, जशुवा इस बारे में बात करते हैं कि निचली जातियों के लोगों के साथ कैसा बुरा व्यवहार किया जाता है और शोषितों के दर्द और दुख को व्यक्त करते हैं। उनकी अन्य लोकप्रिय रचनाओं में 'फ़िरादौसी', 'कंडीसेकुडु' और 'जशुवा रचनालु' शामिल हैं।

जशुवा की कविता केवल पीड़ा के बारे में नहीं थी; यह आशा और बदलाव के बारे में भी थी। उनका मानना था कि साहित्य सामाजिक परिवर्तन ला सकता है, और उन्होंने अपनी लेखनी का उपयोग दूसरों को समानता और न्याय के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करने के लिए किया। अपनी पृष्ठभूमि के कारण चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, जशुवा ने तेलुगु साहित्य में अपने योगदान के लिए सम्मान और मान्यता अर्जित की। उन्हें कई पुरस्कार मिले, जिनमें 1970 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म भूषण भी शामिल है। गुर्रम जशुवा का 24 जुलाई, 1971 को निधन हो गया, लेकिन उनकी विरासत आज भी जीवित है।

श्रीलंका की दिशा-दशा तय करेंगे दिसानायके

श्रीलंका के हालिया राष्ट्रपति चुनाव में अनुरा दिसानायके की जीत ने राजनीतिक पंडितों को चौंकाया है। वजह यह है कि पिछले राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें महज तीन फीसदी मत ही मिले थे। वहीं संसद में उनके गठबंधन के महज तीन सांसद थे। यही वजह है कि राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद बने माहौल में संसद के लिये नया जनादेश पाने के लिये उन्होंने संसद को भंग कर दिया है। इस मामले में भारतीय कूटनीति को दाद देनी होगी कि श्रीलंका में राजनीतिक रुझान को महसूस करके गत फरवरी में अनुरा दिसानायके का सफल भारत दौरा आयोजित किया गया। अब ये आने वाला वक्त बताएगा कि वामपंथी रुझान वाले दिसानायके दिल्ली की दक्षिणपंथी रुझान वाली सरकार से कैसा तालमेल बनाएंगे।

बहरहाल, श्रीलंका में राजनीतिक भ्रष्टाचार, आर्थिक बदहाली व परंपरागत सत्ताधीशों के प्रति अविश्वास से मुक्त कराने के वादे ने दिसानायके को ताकत दी है। दो साल पहले धराशायी अर्थव्यवस्था में प्राण फूंकने के उनके आश्वासन पर श्रीलंका की जनता ने विश्वास किया है। दूसरे राउंड में मिले अधिक मतों से वे पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को तीसरे स्थान में धकेलने में कामयाब हो गए। निस्संदेह, दिसानायके की यह जीत चौंकाने वाली है, जिसके मूल में भ्रष्टाचार के खिलाफ मुखरता और गरीबों को राहत देने के उनके एजेंडे को सार्थक प्रतिसाद मिला है। वे जनता में भरोसा जगाने में कामयाब हुए कि अब भी देश को मंदी व आर्थिक बदहाली के भंवर से निकाला जा सकता है। कभी भारत के मुखर विरोधी रहे राजनीतिक दल जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी से जुड़े रहे दिसानायके अब सरकार के खिलाफ चले हिंसक खूनी आंदोलन को गलत मानते हैं। केंद्रीय श्रीलंका के गालेवेला में 24 नवंबर, 1968 में जन्मे दिसानायके ने उस दौर में छात्र राजनीति में सक्रियता बढ़ाई जब रक्तपात से गुजरते श्रीलंका में वर्ष 1987 के दौरान भारत-श्रीलंका समझौता हुआ था। मध्य वर्गीय परिवार में जन्मे दिसानायके की शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई। उन्होंने भौतिक विज्ञान में डिग्री हासिल की थी। तब युवाओं में पनपे देशव्यापी आक्रोश के बीच जेवीपी हिंसक अभियानों के लिये जाना जाता था। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गये थे। कालांतर में वर्ष 1997 में वे जेवीपी की केंद्रीय कमेटी के लिये चुने गए थे। वैसे हाल में उन्होंने उस दौर में रक्तपात के लिये माफी भी मांगी है। उन्होंने स्वीकारा कि यह हिंसक संघर्ष नहीं होना चाहिए था। वहीं उन्होंने वर्ष 2019 के सिलसिलेवार धमाकों की जांच कराने का भी वादा किया है, जिसमें तीन सौ के करीब लोग मारे गए थे। लोग गोटाबाया राजपक्षे पर जांच को बाधित करने के आरोप लगाते हैं।

दरअसल, इस चुनाव में दिसानायके ने राजनेताओं के भ्रष्टाचार, आर्थिक नीतियों

अरुण नैथानी

की विफलता, कानून अव्यवस्था के लिये तत्कालीन सत्ताधीशों को दोषी बताते हुए नई पारदर्शी शासन व्यवस्था देने का वादा किया। उन्होंने आर्थिक संकट से जनता को हुए कष्टों के लिये नेताओं को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे देश को बदहाली से मुक्त करा सकते हैं। दरअसल, कुशासन, कोरोना संकट व राजनीतिक भ्रष्टाचार से जहां देश पर अरबों डालर कर्ज चढ़ा, वहीं मुद्रास्फीति कुलांचें भरने लगी। विदेशी मुद्रा भंडार निचले स्तर पर जा पहुंचा। हालांकि, विक्रमसिंघे के प्रयासों से आईएमएफ से मिले कर्ज व भारतीय मदद से हालात में सुधार हुआ, लेकिन स्थितियां पहले जैसी नहीं हो सकीं। यह वजह है कि श्रीलंका के जनमानस ने बदलाव के लिये दिसानायके को राष्ट्रपति चुना। दिसानायके देश के जनमानस को यह भरोसा दिलाने में सफल रहे कि वे देश को राजनीतिक भ्रष्टाचार व कुशासन से मुक्ति दिला सकते हैं। उनका कहना है कि वे जनता पर लगे टैक्स कम करेंगे और नये सिरे से कल्याणकारी योजनाएं शुरू करेंगे। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएंगे। यही वजह है कि मतदाताओं ने आर्थिक चिंताओं के बीच दिसानायके में नई उम्मीद देखी। दरअसल, आम मतदाता कष्टदायी महंगाई से मुक्त होकर सामान्य जीवन जीने का आकांक्षी है। वैसे आईएमएफ से मिले राहत पैकेज और उसके लिये लागू सख्त आर्थिक अनुशासन से मुक्त होना दिसानायके के लिये आसान भी नहीं होगा। इसमें संतुलन बनाकर ही उन्हें जनता का विश्वास हासिल करना होगा। उन्हें सरकार के खर्चों में कटौती संग राजस्व के नये स्रोत तलाशने होंगे।

अब कयास यह लगाये जा रहे हैं कि दिसानायके के वामपंथी रुझान के बीच श्रीलंका के संबंध चीन से अधिक मजबूत होंगे या भारत से। हालांकि, गत फरवरी में भारत का दौरा करने वाले दिसानायके भारत के साथ अच्छे संबंधों की बात कर रहे हैं। कभी भारत विरोधी रहे जेवीपी के भारत के प्रति रुझान में हाल के वर्षों में बदलाव आया है। आशा की जानी चाहिए कि दिसानायके भारत को लेकर संतुलित नीति अपनाएंगे। उन्हें याद रखना होगा कि आर्थिक संकट में फंसे श्रीलंका से जब चीन ने आंख फेर ली थी तो भारत सबसे बड़े मददगार के रूप में सामने आया था। वैसे हाल के वर्षों में दिसानायके श्रीलंका को किसी गुट से मुक्त रखकर सुशासन पर बल देते रहे हैं। दिसानायके को सोचना होगा कि अभी श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पटरी पर नहीं आयी है और उस पर आईएमएफ का बड़ा कर्जा बना हुआ है। ऐसे में भारत ही विश्वसनीय साथी की भूमिका निभा सकता है। अनुमान है कि वे भारत व चीन के साथ संबंधों में संतुलन कायम करके ही विदेशी नीति का निर्धारण करेंगे। भारत से करीबी भौगोलिक व समुद्री सीमा सामरिक दृष्टि से भी श्रीलंका के हित में रहेगी।

जीवन मंत्र

धर्म से ऊपर उठना

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

जब तक आप यह मानते हैं कि सिर्फ आपका रास्ता सही है और दूसरा मानता है कि उसका रास्ता सही है, तब तक आप लड़ने को बाध्य हैं।

जैसे ही मनुष्य धार्मिक बनता है, उसके सारे झगड़ों का अंत हो जाना चाहिए। परंतु दुर्भाग्य से, संसार में हरेक जगह धर्म ही झगड़ों का मुख्य स्रोत बन गया है। इसने अनगिनत लोगों की जान ली है और हजारों वर्षों से यह अधिकतम पीड़ा का कारण बना है। ऐसा केवल इसलिए है, क्योंकि लोग ऐसी चीजों में विश्वास करते हैं, जो दरअसल उनके अनुभव में नहीं है। कोई किसी चीज में विश्वास करता है, तो कोई दूसरा किसी अन्य चीज में विश्वास करता है, ऐसे में स्वाभाविक है कि टकराव को, झगड़े को टाला नहीं जा सकता। आज या कल वे झगड़ने ही वाले हैं। वे झगड़े को कुछ समय के लिए टाल सकते हैं, लेकिन किसी दिन वे झगड़ेंगे। जब तक आप यह मानते हैं कि सिर्फ

आपका रास्ता सही है, और दूसरा मानता है कि उसका रास्ता सही है, तब तक आप लड़ने को बाध्य हैं।

हालांकि, सभी धर्म एक आंतरिक मार्ग के रूप में शुरू हुए, मगर समय के साथ वे विकृत होते गए और कोरी मान्यताओं का एक बंडल बन गए। यद्यपि सभी धर्मों ने मानव जीवन की महत्ता बताई है, उसी धर्म का वास्ता देकर आज आप एक-दूसरे की जान लेने को उतारू हो जाते हैं। दुर्भाग्य से, इसी कारण इस ग्रह (धरती) पर ज्यादा पीड़ा और संघर्ष का उदय हुआ है। मुझे लगता है कि इसकी मूल समस्या को सही तरीके से नहीं सुलझाया गया है। लोग हमेशा एक समूह और दूसरे समूह के बीच अस्थायी समाधान निकालते रहते हैं। लेकिन ये अस्थायी समाधान बहुत दिन नहीं टिकते और फिर संघर्ष उभर आता है।

इस लड़ाई का कारण सिर्फ इतना है कि लोग किसी खास मान्यता पर विश्वास करते हैं। किसी ऐसी मान्यता पर, जो उनके लिए वास्तविक ही नहीं है, फिर भी वे उसमें विश्वास करते हैं। अगर आप वास्तविकता को देखें, तो यह हर किसी के लिए एक समान है : हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सबके लिए। जब आप धर्म को देखते हैं, तो हर धर्म की अपनी मान्यता है कि क्या सही है और क्या गलत। आपने जो बात देखी नहीं, महसूस नहीं की, आप उसको भी मान लेते हैं। कई मायने में यही सारे झगड़ों की जड़ बन गई है।

योग का मूल प्रयोजन हमेशा से धर्म को एक अनुभव, एक आंतरिक अनुभव के रूप में खोजने का रहा है, न कि विश्वास के रूप में। जो कुछ भी सच है, उसका अनुभव करें और आगे बढ़ें, एक विज्ञान की तरह उस तक पहुंचें, एक विश्वास की तरह नहीं। योग में हम सिर्फ यह देखते हैं कि मूलतः एक मनुष्य अपने उच्चतम स्वरूप तक पहुंच सकता है या विकास कर सकता है। ऐसा वह अपने शरीर, मन, भावनाओं के माध्यम से या आंतरिक ऊर्जाओं से कर सकता है।

जीवन ऊर्जा

लता मंगेशकर : जन्म-28 सितंबर 1929

जन्म

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है

लता मंगेशकर, जिन्हें 'भारत की कोकिला' के नाम से जाना जाता है, सात दशकों से ज्यादा समय तक चलने वाली एक प्रतिष्ठित पार्श्व गायिका थीं। लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 को हुआ था और उनका निधन 6 फरवरी 2022 को हुआ। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में हज़ारों गाने रिकॉर्ड किए, और भारतीय सिनेमा की सबसे प्रिय आवाज़ों में से एक बन गईं। संगीत में उनकी विरासत बेमिसाल और बेहद प्रेरणादायक है।

संगीत ईश्वर की ओर से एक उपहार है, और इसे दुनिया के साथ साझा करना मेरा कर्तव्य है। कड़ी मेहनत और समर्पण कभी भी परिणाम देने में विफल नहीं होते। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है, आपको इसके लिए पूरे दिल से काम करना चाहिए। मैंने हमेशा अपने काम को मेरे लिए बोलने देने में विश्वास किया है।

मैं जो भी गाता हूँ वह मेरी आत्मा की गहराई से आता है। मैं चुनौतियों से कभी नहीं डरता था; उन्होंने मुझे और मजबूत बनाया। किसी को भी सीखना कभी नहीं छोड़ना चाहिए, चाहे वह कितना भी अनुभवी क्यों न हो जाए। दृढ़ता महानता प्राप्त करने की कुंजी है। पूर्णता का एकमात्र तरीका अभ्यास और जुनून के माध्यम से है। चाहे आप कितने भी ऊँचे उठें, विनम्र रहें। सफलता प्रसिद्धि या

पैसे के बारे में नहीं है, बल्कि आत्म-संतुष्टि के बारे में है। अपने सपनों को मत छोड़ो, भले ही समय कठिन हो। संगीत भाषा और सीमाओं से परे दिलों को जोड़ता है। खुद पर विश्वास करो, भले ही दूसरे आप पर संदेह करें। संगीत में, जीवन की तरह, हर नोट सच होना चाहिए। मैं कभी भी प्रसिद्धि के पीछे नहीं भागा; मैंने अपनी प्रतिभा को मेरे लिए बोलने दिया। मैंने जो भी चुनौती का सामना किया, उसने मुझे और अधिक दृढ़ बनाया। आपको धैर्य रखना चाहिए; सफलता रातों-रात नहीं मिलती। आपका समर्पण हमेशा आपके काम के माध्यम से चमकेगा।

मैंने हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया, चाहे काम कितना भी छोटा या बड़ा क्यों न हो। सच्ची खुशी उस काम को करने से मिलती है जिसे आप पसंद करते हैं। आपकी विरासत आपके काम में लगाए गए प्रयासों पर बनी है। मुश्किल समय में भी, आगे बढ़ते रहें। अपने काम का सम्मान करें, और दुनिया आपका सम्मान करेगी। कृतज्ञता सफलता और शांति की नींव है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

पृथ्वी को हम माता क्यों कहते हैं ?

पृथ्वी को हम माता क्यों कहते हैं, क्योंकि सभी चीजें हमें पृथ्वी से ही प्राप्त होती है । पृथ्वी देवी सभी हमारा कल्याण करें। पृथ्वी देवी सभी प्राणियों को आश्रय देती है। पृथ्वी देवी सभी प्राणियों को अन्न देती है। पृथ्वी देवी ही सभी घरों में धन धान्य और अन्न प्रदान करती है।

पृथ्वी देवी जलों को नदियों के रूप में प्रवाहित होने का मार्ग देती हैं। पृथ्वी देवी वन्य पशुओं को अपने रोम रूपी वनस्पतियों में आश्रय देती हैं। पृथ्वी देवी देवताओं के आह्वान के लिए यज्ञ स्थल प्रदान करने वाली है। पृथ्वी देवी अपने गर्भ में औषधियों और रत्नों को मनुष्यों के कल्याण और एश्वर्य के लिए धारण करती है। पृथ्वी देवी भू-मंडल के समस्त राजाओं को साम्राज्य और प्रजाओं का पोषण करने वाली है। पृथ्वी देवी धरती में जन्म लेने वाले सभी प्राणियों की पहली मां है, जो सबका बिना भेदभाव के लालन और पालन करती है। पृथ्वी देवी को भूमण्डल के अलग

अलग राजाओं नें राष्ट्रमाता के रूप में पूजा। पृथ्वी देवी ही भूमि के रूप में प्रथम माता है जो सभी मनुष्यों का कल्याण करती है।

पृथ्वी देवी पर्वत रूपी स्तन और नदियों के रूप में रक्त रूपी नाड़ियों से युक्त जीवंत माता है, शिलाएं ही इसकी अस्थियां हैं, जो इसे जड़ समझने की भूल करते हैं, वो मूर्ख अज्ञानी हैं। पृथ्वी माता में ही सभी का जन्म होगा सभी इसी से ज्ञान को प्राप्त करके वृद्धि को प्राप्त होंगे और सभी का मरण भी इसी में होगा इसलिए पृथ्वी को नमन करो और इसकी माटी को माथे पर लगाओ। पृथ्वी कहती है। हे प्राणियों सदैव प्रसन्न और सुखी रहो। हे मनुष्यों पृथ्वी के सभी प्राणियों के कल्याण के लिए ही मैं तुम्हे अन्न-जल औषधियां और रत्न देती हूं अतः प्रेम पूर्वक रहो एक दूसरे को दुःख न दो और पापपूर्ण कार्य न करो अन्यथा अति वृष्टि, भूकम्प जल प्रलय और रोगों और युद्ध के रूप में मेरी वेदना संसार में प्रकट होगी।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

क्रोध और प्रेम

सरकारी कार्यालय में लंबी लाइन लगी हुई थी। खिड़की पर जो क्लर्क बैठा हुआ था, वह तल्ख़ मिजाज़ का था और सभी से तेज स्वर में बात कर रहा था। उस समय भी एक महिला को डांटते हुए वह कह रहा था, ₹आपको ज़रा भी पता नहीं चलता, यह फॉर्म भर कर लायीं हैं, कुछ भी सही नहीं है। सरकार ने फॉर्म फ्री कर रखा है तो कुछ भी भर दो, जेब का पैसा लगता तो दस लोगों से पूछ कर भरतीं आप।

एक व्यक्ति पंक्ति में पीछे खड़ा काफी देर से यह देख रहा था, वह पंक्ति से बाहर निकल कर, पीछे के रास्ते से उस क्लर्क के पास जाकर खड़ा हो गया और वहीं रखे मटके से पानी का एक गिलास भरकर उस क्लर्क की तरफ बढ़ा दिया। क्लर्क ने उस व्यक्ति की तरफ आँखें तरेर कर देखा और गर्दन उचका कर 'क्या है?' का इशारा किया। उस व्यक्ति ने कहा, ₹सर, काफी देर से आप बोल रहे हैं, गला सूख गया होगा, पानी पी लीजिये।

क्लर्क ने पानी का गिलास हाथ में ले लिया और उसकी तरफ ऐसे देखा जैसे किसी दूसरे ग्रह के प्राणी को देख लिया हो! और कहा, ₹जानते हो, मैं कड़वा सच बोलता हूँ, इसलिए सब नाराज़ रहते हैं, चपरासी मुझे पानी तक नहीं पिलाता! वह व्यक्ति मुस्कुरा दिया और फिर पंक्ति में अपने स्थान पर जाकर खड़ा हो गया।

अब उस क्लर्क का मिजाज बदल चुका था, काफी शांत मन से उसने सभी से बात की और सबको अच्छे से सेवाएं देनी शुरू की।

शाम को उस व्यक्ति के पास एक फ़ोन आया, दूसरी तरफ वही क्लर्क था, उसने कहा, ₹भाई साहब, आपका नंबर आपके फॉर्म से लिया था, धन्यवाद देने के लिये फ़ोन किया है। मेरी माँ और पत्नी में बिल्कुल नहीं बनती, आज भी जब मैं घर पहुंचा तो दोनों बहस कर रहीं थी, लेकिन आपका गुरुमंत्र काम आ गया।₹ वह व्यक्ति चौंका, और कहा, जी? गुरुमंत्र? जी हाँ, मैंने एक गिलास पानी अपनी माँ को दिया और दूसरा अपनी पत्नी को और यह कहा कि गला सूख रहा होगा पानी पी लो। बस तब से हम तीनों हँसते-खेलते बातें कर रहे हैं। अब भाई साहब, आप आज हमारे घर पर खाने पर आइये। जी! लेकिन, खाने पर क्यों? क्लर्क ने भर्राये हुए स्वर में उत्तर दिया, ₹गुरू माना है तो इतनी दक्षिणा तो बनेगी ना आपकी और ये भी जानना चाहता हूँ, एक गिलास पानी में इतना जादू है तो खाने में कितना होगा?

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

बाघों के शरीर पर धारियों का रहस्य

कल्पना कीजिए कि आप घने जंगल से गुजर रहे हैं और अचानक आपको एक शानदार बाघ दिखाई देता है! अपने चमकीले नारंगी फर और आकर्षक काली धारियों के साथ, यह शक्तिशाली जानवर आपका ध्यान आकर्षित करता है। क्या आप जानते हैं कि ये धारियाँ सिर्फ़ खूबसूरत पैटर्न से कहीं ज़्यादा हैं? ये बाघों को अपने आस-पास के माहौल में घुलने-मिलने में मदद करती हैं, जिससे वे विशेषज्ञ शिकारी बन जाते हैं। लेकिन एक आश्चर्य की बात है—बाघों की त्वचा पर भी ये धारियाँ होती हैं! हर बाघ का एक अनूठा डिजाइन होता है, ठीक वैसे ही जैसे हमारे फिंगरप्रिंट होते हैं। जैसे-जैसे हम बाघों की दुनिया का पता लगाएं, हम जानेंगे कि उनकी धारियाँ इतनी ख़ास क्यों हैं, वे उन्हें कैसे जीवित रहने में मदद करती हैं, और इन अविश्वसनीय प्राणियों की रक्षा करने का महत्व क्या है। प्रकृति के सबसे आकर्षक जानवरों में से एक के रहस्यों को जानने के लिए तैयार हो जाइए!

बाघों के शरीर पर धारियां क्यों होती हैं?

धारियाँ बहुत महत्वपूर्ण काम करती हैं। वे बाघों को उनके पर्यावरण में घुलने-मिलने में मदद करती हैं। बाघ आमतौर पर जंगलों, घास के मैदानों और दलदलों में रहते हैं। उनकी धारियाँ पेड़ों से आने वाली छाया और रोशनी जैसी दिखती हैं। यह छलावरण उन्हें अपने शिकार, जैसे हिरण और जंगली सूअर से छिपने में आसान बनाता है। जब वे छिपते हैं, तो वे बिना देखे अपने भोजन के करीब पहुँच सकते हैं। प्रत्येक बाघ की धारियों का एक अनूठा पैटर्न होता है, ठीक वैसे ही जैसे मनुष्यों के अलग-अलग फिंगरप्रिंट होते हैं। किसी भी दो बाघों की धारियाँ एक जैसी नहीं होती हैं। यह विशिष्टता शोधकर्ताओं को जंगल में अलग-अलग बाघों की पहचान करने और उनके व्यवहार को समझने में मदद करती है।

धारियों का रंग

बाघ की धारियों का रंग अलग-अलग हो सकता है। ज्यादातर बाघों की नारंगी पृष्ठभूमि पर काली धारियाँ होती हैं, लेकिन काले या भूरे रंग की धारियों वाले सफेद बाघ भी होते हैं। ये सफेद बाघ बहुत दुर्लभ हैं। उनका अनोखा रंग आनुवंशिक उत्परिवर्तन के कारण होता है। भले ही वे अलग दिखते हों, फिर भी वे नारंगी बाघों जैसी ही प्रजाति के हैं।

धारियां बाघों की कैसे मदद करती हैं

धारियाँ न केवल शिकार करते समय बाघों को छिपने में मदद करती हैं, बल्कि संचार में भी भूमिका निभाती हैं। जब बाघ एक-दूसरे से मिलते हैं, तो वे अक्सर एक-दूसरे की धारियों को देखते हैं। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिल सकती है कि दूसरा बाघ दोस्ताना है या नहीं। युवा बाघ अपनी माताओं से सीख सकते हैं कि शिकार कैसे करें और अपनी धारियों का अपने फायदे के लिए कैसे इस्तेमाल करें।

धारियों का महत्व

बाघ लुप्तप्राय जानवर हैं। उनकी धारियाँ उन्हें खास और सुंदर बनाती हैं, लेकिन उन्हें सुरक्षा की भी जरूरत होती है। आवास के नुकसान और अवैध शिकार के कारण मनुष्य बाघों के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। बाघों की रक्षा करने का मतलब है उनके आवास की रक्षा करना और यह सुनिश्चित करना कि उनके पास जीवित रहने के लिए पर्याप्त भोजन हो। कई वन्यजीव संगठन बाघों और उनके पर्यावरण को बचाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। वे ऐसे रिजर्व बनाते हैं जहां बाघ सुरक्षित रह सकें। बाघों की रक्षा करके, हम उस पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने में भी मदद करते हैं जिसमें वे रहते हैं। जंगल में हर जानवर एक भूमिका निभाता है, और बाघों के खोने से कई अन्य प्रजातियां

बाघों के बारे में मजेदार तथ्य

गति : बाघ कम दूरी के लिए 30 मील प्रति घंटे तक दौड़ सकते हैं। वे तेज होते हैं और शिकार करते समय बहुत तेज़ी से बहुत ज़्यादा ज़मीन कवर कर सकते हैं।

तैराकी : बाघ बेहतरीन तैराक होते हैं। उन्हें ठंडक पाने या शिकार पकड़ने के लिए नदियों और झीलों में तैरना पसंद है।

दहाड़ना : बाघ की दहाड़ दो मील दूर तक सुनी जा सकती है! यह उनके लिए दूसरे बाघों से संवाद करने का एक तरीका है।

वजन : नर बाघों का वजन 400 से 600 पाउंड के बीच हो सकता है। वे मजबूत और शक्तिशाली जानवर होते हैं।

जीवन काल : जंगल में, बाघ आमतौर पर लगभग 10 से 15 साल तक जीवित रहते हैं, लेकिन वे कैद में लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं।

भगवान का नाम

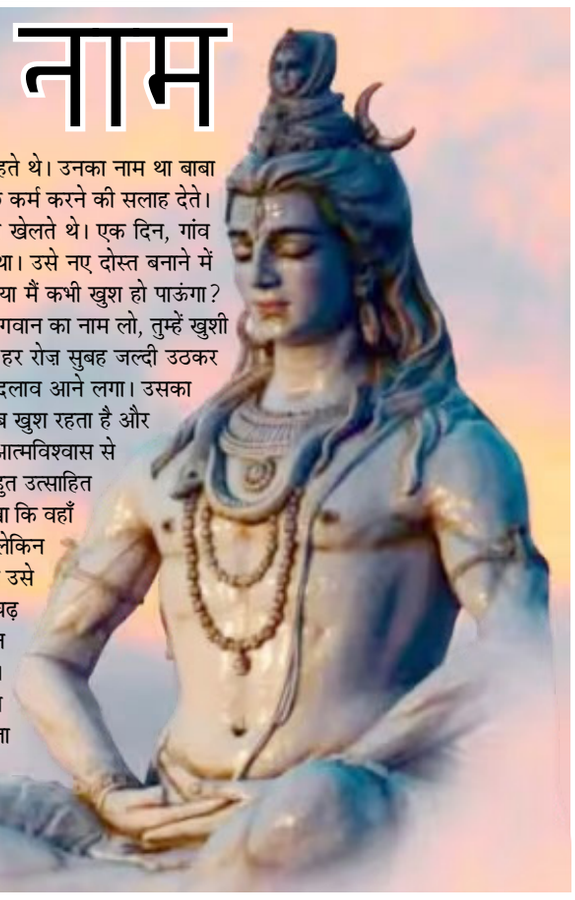

बहुत समय पहले की बात है। एक छोटे से गांव में एक साधु बाबा रहते थे। उनका नाम था बाबा रामदास। वे हमेशा भगवान का नाम जपते और गांव वालों को अच्छे कर्म करने की सलाह देते। गांव के बच्चे बाबा से बहुत प्यार करते थे और अक्सर उनके पास खेलते थे। एक दिन, गांव में एक नया बच्चा आया। उसका नाम था मोहन। मोहन हमेशा उदास रहता था। उसे नए दोस्त बनाने में मुश्किल होती थी। बच्चे उसे खेल में शामिल नहीं करते थे। मोहन ने सोचा, क्या मैं कभी खुश हो पाऊंगा? बाबा रामदास ने मोहन की उदासी देखी। उन्होंने उसे बुलाया और कहा, बेटा, भगवान का नाम लो, तुम्हें खुशी मिलेगी। मोहन ने बाबा की बात मानकर राम का नाम जपना शुरू किया। वह हर रोज़ सुबह जल्दी उठकर भगवान का नाम लेता और फिर बच्चों के साथ खेलता। धीरे-धीरे, मोहन में बदलाव आने लगा। उसका चेहरा खिल उठा और उसकी हंसी सुनाई देने लगी। बच्चों ने देखा कि मोहन अब खुश रहता है और खेलने में मज़ा आता है। बच्चे उसे खेलने के लिए बुलाने लगे। मोहन भी अब आत्मविश्वास से भरा था। एक दिन, गांव में एक बड़ा मेला लगा। सभी बच्चे वहाँ जाने के लिए बहुत उत्साहित थे। मोहन ने भी सोचा कि वह मेला जाएगा। जब वह मेले में पहुंचा, तो उसने देखा कि वहाँ बहुत सारी झूले, खेल और मिठाइयां थीं। मोहन ने झूला झूलने का मन बनाया, लेकिन वहाँ बहुत सारे बच्चे थे। उसने सोचा, क्या मैं यहाँ भी अकेला रहूंगा? लेकिन तभी उसे बाबा रामदास की बात याद आई। उसने भगवान का नाम लिया और झूले पर चढ़ गया। अचानक, अन्य बच्चे भी उसके पास आए और झूले पर खेलने लगे। मोहन को लगा कि वह अब अकेला नहीं है। उसने खुशी से झूला झूलना शुरू किया। उस दिन मोहन ने सीखा कि भगवान का नाम लेने से न केवल मन की शांति मिलती है, बल्कि दोस्ती और खुशी भी बढ़ती है। अब मोहन हमेशा खुश रहता था, और उसने अपने नए दोस्तों के साथ मिलकर जीवन का आनंद लेना शुरू कर दिया। इस तरह, मोहन ने समझा कि भगवान का नाम जपने से न केवल खुशी मिलती है, बल्कि यह दूसरों से जुड़ने का एक अद्भुत तरीका भी है।

चतुर लोमड़ी और मूर्ख बकरी

बहुत समय पहले की बात है। एक घने जंगल में एक चतुर लोमड़ी और एक मूर्ख बकरी रहती थी। बकरी हमेशा घास खाने के लिए जंगल में जाती, जबकि लोमड़ी अपनी चालाकी के लिए जानी जाती थी।

एक दिन, बकरी जंगल में गई और एक हरे-भरे मैदान में घास खाने लगी। लोमड़ी ने उसे देखा और एक योजना बनाई। वह बकरी के पास गई और बोली, नमस्ते, बहन! तुम इतनी सुंदर हो। तुम्हारी आंखें तो जैसे चमकती हैं।

बकरी ने खुश होकर कहा, धन्यवाद! तुम भी बहुत सुंदर हो।

लोमड़ी ने चालाकी से कहा, तुम्हें पता है, इस जंगल के दूसरी तरफ एक और हरा मैदान है, जहां घास बहुत मीठी है। तुम्हें वहां जाना चाहिए।

बकरी ने कहा, लेकिन मैं अकेली नहीं जाना चाहती।

लोमड़ी ने हंसते हुए कहा, कोई बात नहीं! मैं तुम्हारे साथ चलूंगी।

बकरी ने लोमड़ी की बात मान ली। वे दोनों उस हरे मैदान की ओर चल पड़े। लेकिन लोमड़ी ने सोचा, ₹जब हम वहां पहुंचेंगे, तो मैं इस मूर्ख बकरी को खा जाऊंगी।

जब वे दूसरे मैदान में पहुंचे, तो लोमड़ी ने बकरी से कहा, तुम यहां थोड़ी देर आराम करो, मैं थोड़ी दूर जाकर देखती हूँ। बकरी ने कहा, ठीक है, लेकिन जल्दी आना।

जैसे ही लोमड़ी ने बकरी से दूरी बनाई, उसने सोचा कि अब बकरी का खाना आसान होगा। लेकिन बकरी समझदार थी। उसने लोमड़ी की चालाकी को पहचान लिया और सोचा, मैं इसे अपनी जान के लिए खतरा नहीं बनने दूंगी।

बकरी ने चतुराई से कहा, ठीक है, मैं तुम्हें एक चुनौती देती हूं। जो सबसे पहले घास खाकर वापस आएगा, वही जीतेगा।

लोमड़ी ने सोचा, यह तो आसान है! और झपटा घास की ओर। लेकिन बकरी ने समझदारी से अपनी जगह पर बैठकर घास चबाने लगी।

जब लोमड़ी घास खाने लगी, तो वह भूल गई कि बकरी चतुर है। बकरी ने उसे देखकर सोचा, अब मैं इस लोमड़ी को सबक सिखाऊंगी। उसने एक बड़ा शोर मचाया और कहा, अरे! क्या तुम्हें पता है कि यहाँ एक शेर आ रहा है?

लोमड़ी घबरा गई और तुरंत वहां से भागी। बकरी ने अपनी समझदारी से न केवल अपनी जान बचाई, बल्कि लोमड़ी को भी सबक सिखा दिया।

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि कभी-कभी चतुराई और समझदारी से ही मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकल सकते हैं।

कविता

आसमान पर छाए बादल,
बारिश लेकर आए बादल।
गड़-गड़, गड़-गड़ की धुन में,
ढोल-नगाड़े बजाए बादल।
बिजली चमके चम-चम, चम-चम,
छम-छम नाच दिखाए बादल।
चले हवाएं सन-सन, सन-सन,
मधुर गीत सुनाए बादल।
बूंदें टपके टप-टप, टप-टप,
झमाझम जल बरसाए बादल।
झरने बोले कल-कल, कल-कल,
इनमें बहते जाए बादल।
चेहरे लगे हंसने-मुस्कुराने,
इतनी खुशियां लाए बादल

ओमप्रकाश चोरमा

सपने और लक्ष्य की ओर बढ़ाएं कदम

सभी बच्चों के दिल में कुछ खास सपने होते हैं। कोई डॉक्टर बनना चाहता है, कोई इंजीनियर, और कुछ तो बेशक सुपरहीरो बनना चाहते हैं! लेकिन क्या आप जानते हैं? सपने सच करने के लिए हमें कुछ खास कदम उठाने होते हैं, जिन्हें हम ₹लक्ष्य₹ कहते हैं। आइए, हम जानते हैं कि सपने और लक्ष्य कैसे हमारे जीवन में महत्वपूर्ण होते हैं।

सपने क्या होते हैं?

सपने हमारे दिल की आवाज होते हैं। ये वो कल्पनाएं हैं जो हम रात को सोते समय देखते हैं या जब हम अपनी आंखें बंद करते हैं। हम सोचते हैं, ₹काश मैं एक पेंटिंग बना सकूं जो पूरी दुनिया को पसंद आए! या ₹मैं एक दिन ऐसा खिलाड़ी बनूँगा जो गोल्ड मेडल जीते! सपने हमें प्रेरित करते हैं और हमें आगे बढ़ने की ताकत देते हैं।

लक्ष्य क्या है?

अब सपने सुनने में बहुत अच्छे लगते हैं, लेकिन क्या हम सिर्फ सपनों में जी सकते हैं? नहीं! सपने देखने के साथ-साथ हमें उन्हें सच करने के लिए लक्ष्य भी बनाना पड़ता है। लक्ष्य वो ठोस कदम होते हैं जो हमें अपने सपनों की ओर ले जाते हैं। जैसे, अगर आपका सपना डॉक्टर बनने का है, तो आपका लक्ष्य हो सकता है—₹मैं रोज़ स्कूल में अच्छे अंक लाऊंगा और विज्ञान पढ़ाई में मेहनत करूंगा।₹

सपनों और लक्ष्यों के बीच का रिश्ता

सोचिए, अगर हम बिना दिशा के बस चलते रहें, तो क्या होगा? हम एक जगह से दूसरी जगह तो जाएंगे, लेकिन हमें पता नहीं होगा कि हमें कहां जाना है। सपने हमारी दिशा दिखाते हैं, और लक्ष्य हमें उस दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता बताते हैं। जैसे, अगर आपका सपना एक सफल कलाकार बनने का है, तो आपके लक्ष्य हो सकते हैं:

- ◆हर दिन ड्रॉइंग करना।
- ◆कला की कक्षाएं लेना।
- ◆अपनी पेंटिंग्स को प्रदर्शित करना।

लक्ष्य कैसे बनाएं?

◆सपने को पहचानें: सबसे पहले, अपने सपनों को पहचानें। क्या आप क्या बनना चाहते हैं? एक खेल कूद का खिलाड़ी, एक संगीतकार, या एक लेखक?

◆लक्ष्य को लिखें: अपने सपने को लक्ष्य में बदलने के लिए उसे लिखें। जैसे, मैं हर हफ्ते एक नई कहानी लिखूंगा।

◆छोटे कदम उठाएं: अपने लक्ष्यों को छोटे हिस्सों में बाँटें। इससे आपको हर दिन कुछ नया करने का मौका मिलेगा।

◆समय सीमा तय करें: यह तय करें कि आप अपने लक्ष्य को कब तक पूरा करेंगे। जैसे, मैं अगले 6 महीनों में अपनी पहली किताब खत्म करूंगा।

◆खुद को प्रेरित करें: जब भी आप अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें, खुद को प्रोत्साहित करें। जैसे, जब आप अच्छी तरह से ड्रॉइंग करते हैं, तो खुद को एक छोटा सा इनाम दें—जैसे आपकी पसंदीदा मिठाई!

सपने देखना और लक्ष्य बनाना मजेदार है! सपने देखना और लक्ष्यों की ओर बढ़ना एक रोमांचक यात्रा है। जैसे हम अपने पसंदीदा कार्टून शो में पात्रों के साथ अदventures करते हैं, वैसे ही हम अपने जीवन में भी अद्भुत सफर पर निकल सकते हैं। अगर आप अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मेहनत करते हैं, तो यह सफर और भी मजेदार हो जाएगा।

चुनौतियों का सामना करना

कभी-कभी, रास्ते में मुश्किलें भी आती हैं। जैसे, अगर आप एक क्रिकेटर बनना चाहते हैं, तो आपको अपनी टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। लेकिन याद रखें, मेहनत का फल मीठा होता है। हर बार जब आप किसी चुनौती का सामना करते हैं और उसे पार करते हैं, तो आप और भी मजबूत बनते हैं।

सफलता का जश्न मनाना

जब आप अपने लक्ष्यों को हासिल करते हैं, तो इसे एक जश्न की तरह मनाएं! जैसे, अगर आपने अपनी पहली कहानी पूरी की है, तो इसे अपने परिवार और दोस्तों के साथ शेयर करें। अपने सपनों की सफलता पर खुशियाँ मनाना और दूसरों को प्रेरित करना एक शानदार एहसास होता है।

अपनी यात्रा का आनंद लें

सपनों और लक्ष्यों के साथ-साथ, यह भी याद रखें कि आपकी यात्रा का आनंद लेना बहुत महत्वपूर्ण है। कभी-कभी, हमें अपने लक्ष्यों को पाने में समय लगता है, लेकिन उस प्रक्रिया में जो कुछ भी हम सीखते हैं, वह हमें और भी अधिक मजबूत बनाता है। इसलिए, हर छोटे कदम पर खुश रहें और अपनी मेहनत का फल पाने का इंतजार करें।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा।

वृष राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बिगड़े काम बनेंगे। जल्दबाजी से हानि संभव है।

मिथुन किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें।

कर्क राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

कन्या यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे।

तुला व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है।

वृश्चिक थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

धनु शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी।

मकर व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

कुंभ नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे।

धन दौलत सफलता का योग जाने अपने हस्तरेखा से

हथेली में कई तरह की रेखाएं होती हैं। इनमें मुख्य रूप से जीवन, भाग्य, स्वास्थ्य, हृदय और धन संबंधी रेखाएं है।

हथेली पर मौजूद धन रेखा से आपकी आर्थिक स्थिति कैसी रहेगी।

क्या आप अपनी कमाई से धनवान बनेंगे या कहीं से आपको अचानक धन की प्राप्ति होगी। आइए जानते हैं आपकी हथेली में धन की रेखा क्या कहती है।

हस्तरेखा

हथेली में धन रेखा जीवन रेखा की तरह हर व्यक्ति की हथेली में एक स्थान से शुरू नहीं होती है। हर व्यक्ति की हथेली में धन की रेखा अलग-अलग स्थानों से और अलग-अलग रेखाओं और पर्वतों से मिलकर बनी होती है।

आपकी हथेली में सूर्य पर्वत, शुक्र पर्वत और गुरु पर्वत उठा हुआ है तो यह संकेत है कि आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी और आप सुखी जीवन का आनंद लेंगे।

हस्तरेखा ज्योतिष के अनुसार शुक्र पर्वत भौतिक सुख को दर्शाता है, गुरु पर्वत नेतृत्व क्षमता और सूर्य पर्वत मान-सम्मान और प्रसिद्धि को दर्शाता है।

हस्तरेखा: हथेली पर बना शुक्र पर्वत

प्रियंका जैन
9769994439

क्या-क्या देता है संकेत

हथेली के इस हिस्से में बना तिल दिलाता है विदेश यात्रा का योग

अगर हथेली में जीवन रेखा, भाग्य रेखा और मस्तिष्क रेखा से मिलकर Mआकृति बन रही है तो यह संकेत है कि आप 35 से 55 साल के बीच खूब धन कमाएंगे।

कुछ लोगों की हथेली में उनकी भाग्य रेखा ही धन की रेखा का काम करती है यानी यह धन का हाल बताती है। जिनकी हथेली में मणिबंध से निकलकर सीधी रेखा शनि पर्वत पर पहुंचती है उन्हें धन का लाभ अपने आप अचानक ही मिलता रहता है।

हस्तरेखा

अगर आपकी हथेली में त्रिकोण का चिन्ह बन रहा है तो यह धन रेखा होती है। ऐसी रेखा होने का मतलब है कि आप एक नहीं कई स्रोतों से धन कमाएंगे।

अंगूठे के पास से निकलकर कोई रेखा बुध पर्वत यानी छोटी उंगली की जड़ तक पहुंचे तो इसका मतलब है कि आप अपने परिवार के सदस्यों से पैतृक संपत्ति से या किसी स्त्री के सहयोग से धन प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी हथेली में भाग्य रेखा से निकलकर एक रेखा सूर्य पर्वत पर पहुंच रही है तो आप आर्थिक मामलों में भाग्यशाली होंगे। ऐसे लोग सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठित होते हैं।

अंगूठे से नीचे से रेखा निकलकर शनि पर्वत तक पहुंच रही है तो आपको व्यवसाय के बारे में सोचना चाहिए। ऐसे व्यक्ति व्यवसाय में खूब सफल होते हैं और इनकी हथेली में यह रेखा धन रेखा का काम करती है।

खबर संक्षेप

अवैध ढंग से धर्मांतरण के दोषियों को छह-छह कठोर कारावास

आजमगढ़। अवैध ढंग से धर्मांतरण कराने के मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद अदालत ने तीन दोषियों को छह-छह वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक पर 52 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव शुक्ला ने सुनाया। धर्म परिवर्तन कानून लागू होने के बाद यह जनपद का पहला फैसला है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, वादी मुकदमा अशोक कुमार यादव निवासी डीह कैथौली थाना दीदारगंज ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बालचंद जायसवाल निवासी रामपुरंदी थाना मड़ियाहू जिला जौनपुर, गोपाल प्रजापति निवासी बालू अबीर थाना आदमपुर जिला वाराणसी और नीरज निवासी तिवारिया थाना फूलपुर बहला-फुसलाकर कर धर्म परिवर्तन करने की नीयत से गांव में आए हैं। लोगों को ईसाई धर्म में परिवर्तन करने का प्रलोभन दे रहे हैं। 20 दिसंबर 2020 को इसका विरोध करने पर उनके साथ गालीगलौज की। वादी की सूचना पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए एक सप्ताह में चार्जशीट न्यायालय भेज दी।

यूनियन बैंक की दर्जनभर शाखाएं बंद, प्रदर्शन

वाराणसी। यूनियन बैंक में शुक्रवार को हड़ताल होने के कारण दर्जनभर शाखाओं में कामकाज ठप हो गया है। बैंक से जुड़े एक कर्मचारी यूनियन बैंक एंप्लॉय फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के आह्वान पर कुछ शाखाओं पर तालाबंदी की गई है। सिकरौल स्थित क्षेत्रीय कार्यालय, रथ यात्रा स्थित सिटी कार्यालय, लहरतारा स्थित करंसी चेस्ट कार्यालय समेत अन्य शाखाएं बंद हैं। कर्मचारियों ने सिटी कार्यालय समेत कुछ शाखाओं के मुख्य द्वार पर तालाबंदी कर दी है जिस कारण बैंक अधिकारी और अन्य कर्मचारी यूनियनों से जुड़े पदाधिकारी व सदस्य भी बैंक में प्रवेश नहीं कर पा रहे हैं। बैंक एंप्लॉय फेडरेशन ऑफ इंडिया उत्तर प्रदेश के महासचिव शिवनाथ यादव एवम संयुक्त मंत्री रितेश शर्मा ने कहा कि बैंक में 12 साल से कई पदों पर भर्ती बंद है। जिससे काम का बोझ बढ़ता जा रहा है और बेरोजगारी की समस्या बढ़ रही है। रथयात्रा समेत अन्य शाखाओं पर प्रदर्शन में मिथिलेश कुमार , श्रवण कुमार, अरविंद यादव, अमित विश्वकर्मा, गोविंद दूबे, इरफान, सुशील कुमार , दीपक यादव, चेतन श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

यूपी में खून के रिश्ते शर्मसार

बूढ़े मां-बाप को अयोध्या छोड़कर भूल जा रहे बेटे

एजेंसी । अयोध्या

यूपी में खून के रिश्ते को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। अयोध्या में आए दिन कोई न कोई शव सड़क के किनारे पड़े होने की सूचना पुलिस को मिल रही है। फिर शुरू हो जाती है कोरम पूरा करने की प्रक्रिया। ज्यादातर मामलों में मौत एक रहस्य बनकर आग की लपटों के बीच जल जाती है। केवल सितंबर महीने पर गौर करें तो नौ लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार हो चुका है। मोक्षदायिनी नगरी में लावारिस मौतों का अंतहीन सिलसिला अभी भी जारी है। ज्यादातर मौत के पीछे बीमारी की वजह सामने आती है। लावारिस शव का अंतिम संस्कार करने वाले रितेश दास बताते हैं कि बुजुर्ग मां-बाप को लोग अयोध्या लाकर छोड़ जाते हैं लेकिन उनके खाने और पीने की व्यवस्था नहीं करते हैं। नतीजतन वह दर -दर भटक कर कुछ दिन बाद बीमारी से मर जाते हैं। उनके परिजन दोबारा उन्हें देखने नहीं आते हैं। इसीलिए ज्यादातर लावारिस शव 70 से 80 वर्ष के बीच के होते हैं। कुछ बुजुर्ग अपनी इच्छा से जीवन के आखिरी पड़ाव में राम की नगरी में अपना अंतिम समय बिताने आते हैं। यहीं उनकी जीवन की लीला समाप्त हो जाती है। सभी गरीब तबके के होते है इसलिए इनके परिजन भी कभी इन्हें ढूढ़ने नही आते है। जानकार बताते हैं कि पुलिस भी लावारिस शव के आंकड़ो को सार्वजनिक नही करती है। इसलिए बहुत से लोगों को यह नही पता चल पाता कि उनके परिजन का अंतिम संस्कार लावारिस में हो चुका है।

30 दिन में 9 लोगों का अंतिम संस्कार

सितंबर माह में इन लोगों का हुआ लावारिस में अंतिम संस्कार

3 सितंबर को राम की पैड़ी में 80 वर्षीय वृद्ध का शव मिला
8 तारीख को राम की पैड़ी में ही 24 वर्षीय युवक का शव मिला
14 तारीख अयोध्या रेलवे स्टेशन के बाहर 80 वर्ष के वृद्ध की लाश मिली
15 और 20 तारीख को कोतवाली क्षेत्र में 70 से 80 वर्ष के दो वृद्ध का शव मिला
18 तारीख को रामघाट हाल्ट स्टेशन के किनारे युवक का शव मिला
21 तारीख को काशीराम कॉलोनी के सामने 25 वर्ष के युवक का शव मिला
22 तारीख को नया घाट जल पुलिस चौकी के करीब 45 वर्षीय महिला का शव मिला
24 तारीख को इस्मशान घाट पर 80 साल के बुजुर्ग का शव मिला

अंतिम संस्कार के लिए पुलिस ने ड्यूटी लगाई

लावारिस शव का पोस्टमार्टम करने से लेकर अंतिम संस्कार तक के लिए पुलिस की ड्यूटी निर्धारित की गई है। रविवार को प्रभारी पुलिस चौकी रानोपाली, सोमवार को प्रभारी पुलिस चौकी कटरा, मंगलवार को प्रभारी पुलिस चौकी रायगंज, बुधवार थाना राम जन्मभूमि, गुरुवार प्रभारी चौकी नया घाट, शुक्रवार थाना राम जन्मभूमि और शनिवार को प्रभारी चौकी लक्ष्मण घाट को दायित्व सौंपा गया है।

JSSC CGL परीक्षा में गड़बड़ी की जांच के लिए सचिव की अगुवाई में बनी 3 सदस्यीय कमेटी

एजेंसी । रांची

झारखंड स्टेट सर्विस कमीशन की ओर से आयोजित कॉमन ग्रेजुएट लेवल एग्जाम (CGL) में कथित गड़बड़ी की जांच के लिए जेएसएससी ने एक कमेटी का गठन कर दिया। जेएसएसी ने शुक्रवार को आदेश जारी किया।

जेएसएससी के सचिव सुधीर कुमार गुप्ता करेंगे कमेटी की अध्यक्षता

जेएसएससी के इस आदेश में कहा गया है कि सुधीर कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में बनी 3 सदस्यीय कमेटी परीक्षा में हुई कथित गड़बड़ी की शिकायतों की जांच करेगी। कमेटी की अध्यक्षता सुधीर कुमार गुप्ता करेंगे। कमेटी में दो सदस्य बनाए गए हैं। आयोग की संयुक्त सचिव मधुमिता कुमारी और उप-सचिव सह परीक्षा नियंत्रक अरविंद कुमार लाल को कमेटी का सदस्य बनाया गया है।

एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट देगी कमेटी

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से यह भी कहा गया है कि यह टीम एक सप्ताह में जेएसएससी सीजीएल 2023 की परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायतों की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। छात्र संगठनों और झारखंड की मुख्य विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत की थी। झारखंड के नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने नौकरी बेचने के आरोप लगाए थे।

राज्यपाल के आदेश के बाद जेएसएएससी ने बनाई जांच कमेटी

हालांकि, जेएसएससी सीजीएल 2023 की परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायतों को जेएसएससी के अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके खारिज कर दिया था। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा था कि परीक्षा में गड़बड़ी के सबूत दें, तो परीक्षा को रद्द कर देंगे। इससे पहले राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शिकायतों के आधार पर सरकार से कहा था कि जेएसएससी की विश्वसनीयता बनी रहनी चाहिए। इसलिए जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायतों की जांच कराई जाए।

हेमंत सोरेन ने नहीं दिया चूल्हा खर्च: शिवराज

एजेंसी । लातेहार

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने आज कई मुद्दों पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लपेटे में लिया। शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि मनरेगा का पैसा दलालों की जेब में गया।

कांस्टेबल भर्ती में 15 बच्चों की मौत हो गई। हेमंत सोरेन की सरकार ने युवाओं के सपने तोड़े। झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले भाजपा नेता सह केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मनरेगा का पैसा दलालों की जेब में पहुंचा। इसकी जांच करवाकर दोषियों को सजा दिलाएंगे। कहा कि किसानों के हित में छोटे बांध का निर्माण करेंगे और उनके खेतों तक पानी पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार का 2000 रुपए चूल्हा खर्च देने का वादा आज भी अधूरा है।

पूजा में बैठने को लेकर चले लाठी-डंडे

एजेंसी । जौनपुर

यूपी के जौनपुर में पूजा में बैठने को लेकर एक परिवार में विवाद हो गया। बातचीत इतनी बढ़ गई कि एक युवक की अपने भाइयों और पिता के साथ मारपीट शुरू हो गई। देखते ही देखते लाठी-डंडे चलने लगे। मारपीट में युवक को उसके भाइयों और पिता ने ही लाठी-डंडे से पीट पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने पिता, भाइयों समेत परिवार के 14 लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

क्या है पूरा मामला ?

खरगापुर गांव निवासी कैलाशनाथ शुक्ल पितरों की मुक्ति के लिए गया जाने वाले थे। इसी उपलक्ष्य में गुरुवार को घर में पूजन का कार्यक्रम रखा गया। पूरा परिवार इकट्ठा हुआ। कैलाश के छह पुत्रों में एक बेटा 47 वर्षीय विनोद कुमार शुक्ल अलग मकान में रहता था। पूजा में शामिल होने वह भी आया। आरोप है कि पूजा में ही बैठने को लेकर कैलाशनाथ नाराज हो गए और अपने पांच बेटों के साथ मिलकर दूसरे नंबर के बेटे विनोद को घर के अंदर खींच ले गए। महिलाओं ने घर का दरवाजा बंद कर दिया। घर के अंदर सभी ने मिलकर लाठी से पीट पीटकर उसे अधमरा कर दिया। कुछ दूरी पर घर बनवाकर रहने वाली विनोद की पत्नी सुमन को जब पता चला तो उसने घटना की जानकारी मुंबई में अपने भाई नीलेश को दी। नीलेश ने बरसठी पुलिस को फोन से सूचना दिया।

ये है सिस्टम !

स्कूल बना दिया लेकिन सड़क बनाना भूले

सिर पर झोला और घुटने तक पैंट मोड़कर स्कूल जाते हैं बच्चे

एजेंसी । भभुआ नगर

जिले में विद्यालय के विकास पर करोड़ों रुपये खर्च किये गये हैं, ताकि छात्रों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। लेकिन, जिला मुख्यालय से ढाई तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित सैथा विद्यालय पर जाने में छात्रों को नाको चना चबाने पड़ता हैं। छात्रों को प्रतिदिन हाथ में जूता-चप्पल, सिर पर झोला व घुटने तक पैट मोड़कर विद्यालय जाना पड़ता है।

खास बात यह है कि शिक्षक व छात्र विद्यालय तो किसी तरह चले जाते हैं, लेकिन महिला शिक्षिका व छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्योंकि, शिक्षिका व छात्राओं को कीचड़ से घुटने भर पानी से होकर जाना पड़ता है। इसके चलते प्रतिदिन शिक्षिका व छात्राओं का कपड़ा गीला हो जाता है, जिसके कारण पूरे दिन गिला कपड़ा में ही विद्यालय में पठन-पाठन करना पड़ता है। घर से तो छात्र-छात्राएं विद्यालय जाने के लिए हंसते हुए निकलते हैं, लेकिन जब कीचड़ भरे पानी के पास पहुंचते हैं तो प्रतिदिन कमर कस कर पार करना पड़ता है। हालांकि, छात्र व शिक्षक तो किसी तरह विद्यालय चल जाते हैं, लेकिन छात्राओं व शिक्षिकाओं के विद्यालय जाने में हिम्मत कांप जाता है। लेकिन दूसरा कोई उपाय नहीं रहने के बाद प्रतिदिन 10 से 15 मिनट इंतजार करने के बाद थक हार कर शिक्षिका व छात्राएं विद्यालय जाती हैं। यह केवल एक दिन का मामला नहीं है, पूरे बरसात महीने में शिक्षिकाओं व छात्राओं को यही पीड़ा सहना पड़ता है। लेकिन, इसका निबटारा करने वाला कोई नहीं है, न तो कभी अधिकारियों का ध्यान इस पर गया, न ही पंचायत से लेकर विधायक व सांसद का, यह सिलसिला बरसों से चलते आ रहा है।

व्यापार जगत

मजबूती का रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला शेयर बाजार

सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद कमजोरी के साथ बंद हुआ। हालांकि, लाल निशान में गोता लगाने के पहले दिन के पहले सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने आज एक बार फिर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया, लेकिन दिन के दूसरे सत्र में बिकवाली के दबाव की वजह से दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गये। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

बैंकिंग, मीडिया और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली

दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मीडिया और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह एफएमसीजी और टेलीकॉम इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर मेटल, ऑटोमोबाइल, आईटी, ऑयल एंड गैस और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट मे आज मामूली मजबूती के साथ कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

4,060 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,060 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,974 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,959 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 127 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,474 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,231 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,243 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

निवेशकों की संपत्ति में 70 हजार करोड़ रुपए से अधिक का इजाफा

शेयर बाजार में आई गिरावट के बावजूद छोटे और मझोले शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 477.94 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 477.16 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 78 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

टॉप 5 लूजर्स और गेनर्स

दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बीपीसीएल 6.43 प्रतिशत, सिप्ला 3.13 प्रतिशत, सन फार्मास्युटिकल्स 2.65 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.89 प्रतिशत और रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 3.06 प्रतिशत, भारती एयरटेल 2.06 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 1.73 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 1.69 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा 1.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

भारत और उज्बेकिस्तान निवेश पर सहमत

एजेंसी । ताशकंद/नई दिल्ली

भारत और उज्बेकिस्तान गणराज्य ने शुक्रवार को ताशकंद में द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के निवेशकों का विश्वास बढ़ाना है। इस संधि पर केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण और उज्बेकिस्तान गणराज्य के उप-प्रधानमंत्री खोदजायेव जमशेद अब्दुखाकिमोविच ने हस्ताक्षर किए।

बीआईटी पर किए हस्ताक्षर

नुकसान के लिए मुआवजे का भी प्रावधान

मंत्रालय के अनुसार इस संधि में निवेश को जब्त होने से बचाने, पारदर्शिता, हस्तांतरण और नुकसान के लिए मुआवजे का प्रावधान भी है। हालांकि, ऐसे निवेशक और निवेश को संरक्षण प्रदान करते समय, विनियमन के राज्य के अधिकार के संबंध में संतुलन बनाए रखने के साथ पर्याप्त नीतिगत स्थान प्रदान किया गया है। बीआईटी पर हस्ताक्षर दोनों देशों के आर्थिक सहयोग बढ़ाने और अधिक मजबूत व लचीला निवेश वातावरण बनाने की दिशा में साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बीआईटी से द्विपक्षीय निवेश में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों के व्यवसायों और अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण 24 से 28 सितंबर तक उज्बेकिस्तान की पांच दिवसीय दौरे पर हैं। निर्मला सीतारमण के साथ वित्त मंत्रालय के अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी यहां आया है।

भारतीय निवेशकों को उचित सुरक्षा का भी आश्वासन

वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच बीआईटी, प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय मिसालों और प्रथाओं के मद्देनजर भारत में उज्बेकिस्तान के निवेशकों और उज्बेकिस्तान गणराज्य में भारतीय निवेशकों को उचित सुरक्षा का आश्वासन भी देता है। इस समझौते से निवेशकों के लिए सहजता का स्तर और उनका विश्वास बढ़ेगा क्योंकि इससे न्यूनतम मानक का व्यवहार और गैर-भेदभाव सुनिश्चित होगा। साथ ही मध्यस्थता के माध्यम से विवादों के निबटारे के लिए स्वतंत्र मंच भी उपलब्ध होगा।

जीएसटी परिषद् ने क्षतिपूर्ति उपकर पर जीओएम का किया गठन

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की अध्यता में 10 सदस्यीय जीओमए गठित

एजेंसी । नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय मंत्री समूह (जीओएम) का गठन किया है। चौधरी की अध्यक्षता वाला जीओएम मार्च 2026 में क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त होने के बाद विलासिता तथा अहितकर वस्तुओं पर कर के बारे में निर्णय करेगा।जीएसटी परिषद सचिवालय कार्यालय की जारी की

गई अधिसूचना के मुताबिक केंद्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी की अध्यक्षता वाले जीओएम में असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के सदस्य शामिल हैं। यह जीओएम 31 दिसंबर, 2024 तक जीएसटी परिषद को रिपोर्ट सौंपेगा। जीएसटी व्यवस्था में विलासिता संबंधी वस्तुओं पर 28 फीसदी कर के अलावा क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान राज्यों के राजस्व नुकसान की भरपाई करने के लिए वित्त वर्ष 2021 और 2022 में 2.69 लाख करोड़ रुपए उधार लिए थे। इसलिए जीएसटी परिषद ने ऋण और ब्याज को चुकाने के लिए क्षतिपूर्ति उपकर को मार्च 2026 तक बढ़ाने का फैसला किया था।

सेबी के अकाउंट्स की जांच करेगी पार्लियामेंट की कमेटी

एजेंसी । मुंबई

पार्लियामेंट की पब्लिक अकाउंट्स कमेटी (PAC) सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी SEBI के अकाउंट्स की डिटेल्ड जांच करेगी। कमेटी फाइनेंशियल ईयर 2022-23 और फाइनेंशियल ईयर 2023-24 के सेबी के अकाउंट्स का रिव्यू करेगी। यह पहली बार है कि PAC ने सेबी के फाइनेंशियल परफॉर्मेंस की जांच की जरूरत महसूस की है। कांग्रेस के सीनियर लीडर केसी वेणुगोपाल पब्लिक अकाउंट्स

कमेटी के प्रमुख हैं। इस कमेटी में NDA और विपक्ष दोनों दलों के नेता शामिल हैं। इस बात की जानकारी एक सरकारी अधिकारी ने दी है। पब्लिक अकाउंट्स कमेटी का काम सरकार के रेवेन्यू और एक्सपेंडिचर की जांच करना है और पब्लिक फाइनेंस में अकाउंटेबिलिटी सुनिश्चित करना है। सरकारी अधिकारी ने मनीकंट्रोल को बताया, 'PAC ने पहले कभी सेबी को नहीं बुलाया है। उसने डेटा मांगा है। इसकी आखिरी डेट 27 सितंबर है। इस तारीख तक फाइनेंस मिनिस्ट्री को पार्लियामेंट सेक्रेटेरिएट को ये डेटा अवेलेबल कराना होगा।' PAC ने जो डिटेल्स मांगी हैं, उनमें सेबी की रिसीट्स और पेमेंट्स, CAG की ऑडिट रिपोर्ट और सेबी की इनटर्नल कमेटी के ऑब्जर्वेशन भी शामिल हैं। PAC की 29 अगस्त को हुई मीटिंग के एजेंडा में सेबी के अकाउटंस की जांच शामिल थी।

स्पाइजेट ने बकाया जीएसटी और कर्मचारियों की सेलरी का किया भुगतान

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। कर्ज में डूबी सस्ती विमानन सर्विस प्रदाता कंपनी स्पाइसजेट ने अपना माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का पूरा बकाया चुका दिया है। साथ ही कंपनी ने कर्मचारियों के जुलाई और अगस्त के बकाया वेतन और जून महीने के लंबित वेतन का भुगतान भी कर दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को जारी जानकारी में बताया है कि उसने अपना जीएसटी का पूरा बकाया चुका दिया है। कंपनी ने कर्मचारियों के 80 करोड़ रुपए का बकाया वेतन भी चुका दिया है। स्पाइजेट के तीन हजार करोड़ रुपए जुटाने से संबंधित प्रारंभिक नियोजन दस्तावेज के मुताबिक कंपनी पर 15 सितंबर तक 145.1 करोड़ रुपए का जीएसटी बकाया था। उल्लेखनीय है कि स्पाइसजेट ने पिछले सप्ताह पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 3,000 करोड़ रुपए जुटाए थे।

भारत-बांग्लादेश दूसरा टेस्ट

सिर्फ 35 ओवर में खत्म पहला दिन

पहले दिन
बांग्लादेश - 107/3

एजेंसी । कानपुर

भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में दूसरा टेस्ट मैच शुक्रवार 27 सितंबर से शुरू हो गया। चेन्नई में आसान जीत के बाद टीम इंडिया कानपुर टेस्ट में बांग्लादेश का क्लीन स्वीप करने के इरादे से उतरी। अब उम्मीद तो यही थी कि इस टेस्ट में भी टीम इंडिया आसानी से जीत दर्ज कर लेगी लेकिन पहले दिन के खेल में जो हुआ, उसने जीत तो छोड़िए, आगे के लिए भी टीम इंडिया को टेंशन दे दी है। कानपुर टेस्ट के पहले दिन बारिश और खराब रोशनी के कारण सिर्फ 35 ओवर का खेल हो सका और मैच के अगले दो दिन भी ऐसी ही स्थिति की आशंका बनी हुई है।

सिर्फ 35 ओवर में दिन खत्म

कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में शुक्रवार से ये मैच शुरू हुआ लेकिन दो-तीन पहले से ही जिस बात का डर था, वही हुआ। खराब मौसम ने मुकाबले की शुरुआत से ही अपना दखल बनाए रखा। यहां तक कि गीले मैदान के कारण मुकाबला शुरू ही एक घंटे की देरी से हुआ। फिर जब पहले सेशन का खेल हुआ भी तो उसके बाद दोबारा बारिश हो गई, जिसके कारण लंच के बाद का खेल भी 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ। दूसरे सेशन में भी सिर्फ 9 ओवर ही डाले गए थे, जब खराब रोशनी के कारण खेल रोका गया और फिर तेज बारिश के कारण दिन का खेल खत्म करने का फैसला हुआ। कुल मिलाकर पहले दिन सिर्फ 35 ओवर का खेल हुआ, जिसमें बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट खोकर 107 रन बनाए।

अगले दो दिन नहीं मौसम अच्छा

अब टेस्ट में 4 दिन का खेल बचा हुआ है, जिसमें अभी-भी नतीजा आ सकता है, लेकिन सारा पेंच यहीं है। असल में कानपुर में अगले दो दिन भी जमकर बारिश होने का अनुमान है। एक्यूवेदर के फोरकास्ट के मुताबिक, कानपुर में शुक्रवार-शनिवार की आधी रात को जमकर बारिश होगी। वहीं शनिवार को सुबह 9 बजे से 10 बजे तक भी जोरदार बारिश का अनुमान है। कुल मिलाकर शनिवार को 80 फीसदी बारिश का अनुमान है। दिक्कत ये है कि राहत इसके बाद भी नहीं मिलने वाली। रविवार 29 सितंबर यानि टेस्ट मैच के तीसरे दिन भी बारिश की स्थिति बनी रहेगी। उस दिन भी सुबह मैच शुरू होने के वक्त पर बारिश की आशंका है। ऐसे में ये तो तय है कि इस मुकाबले का एक बड़ा हिस्सा बारिश और खराब मौसम की भेंट चढ़ जाएगा, जिससे नतीजा निकलने की संभावनाएं उतनी ही कम हो जाएंगी।

WTC पर पड़ेगा असर

असल में सवाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने का है। इस रेस में फिलहाल तो टीम इंडिया नंबर-1 पर बनी हुई है। इस वक्त टीम का पॉइंट प्रतिशत 71.67 है लेकिन अगर बारिश के कारण ये मैच ड्रॉ होता है तो दोनों टीमों को 4-4 पॉइंट्स मिलेंगे। ऐसे में टीम के पॉइंट्स घटकर 68.18 फीसदी हो जाएंगे। इसका असर फाइनल की रेस पर पड़ सकता है। टीम इंडिया को लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंचने के लिए अपने बचे हुए मुकाबलों में कम से कम आधे जीतने की जरूरत है। इस सीरीज से पहले भारत के 10 टेस्ट मैच बचे हुए थे, जिसमें उसे कम से कम 5 मैच जीतने जरूरी हैं। इसमें से एक उसने बांग्लादेश के खिलाफ जीत लिया है। वहीं इसके बाद 3 टेस्ट मैच न्यूजीलैंड से होने हैं, जिसमें टीम इंडिया के क्लीन स्वीप करने की उम्मीद है। इसके बाद टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 5 टेस्ट खेलने हैं और वहां कितने मैच वो जीत पाएगी, ये तय नहीं है। इसलिए टीम इंडिया के लिए बेहतर यही है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले घर में ही अपने सभी 5 टेस्ट जीत ले लेकिन कानपुर की बारिश उसके इन अरमानों पर पानी फेर सकती है।

शाकिब की सुरक्षा बोर्ड के हाथ में नहीं: अहमद

एजेंसी । ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष फारूक अहमद ने स्पष्ट कर दिया है कि शाकिब अल हसन के खिलाफ देश में चल रहे मामलों के कारण बोर्ड उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा का भरोसा नहीं दे सकता है। शाकिब ने गुरुवार को टी-20 से तत्काल प्रभाव से संन्यास की घोषणा की थी। साथ ही कहा था कि अगर स्वदेश लौटने पर उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया जाता है तो वह अक्तूबर में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना विदाई टेस्ट मैच खेलना चाहेंगे। अहमद ने कहा, शाकिब की सुरक्षा बोर्ड के हाथ में नहीं है। बोर्ड किसी व्यक्ति को व्यक्तिगत सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता। उस (स्वदेश लौटने) पर फैसला उन्हें ही लेना है। उनकी सुरक्षा सरकार के उच्चतम स्तर से होनी है।

तो कानपुर टेस्ट होगा अंतिम

शाकिब को बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के दौरान हत्या के एक मामले में आरोपी के रूप में नामित किया गया था। राजनीतिक अशांति के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटना पड़ा था। शाकिब उनकी पार्टी अवामी लीग से संसद सदस्य थे। शाकिब ने गुरुवार को कहा था कि अगर उनका घरेलू बोर्ड उनके लिए स्वदेश में विदाई मैच का आयोजन नहीं करता है तो फिर भारत के खिलाफ यहां होने वाला दूसरा मैच उनका अंतिम टेस्ट होगा। इस बात की संभावना है कि वह पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम का प्रतिनिधित्व करें।

कनपुरियो को मिली निराशा

घरेलू मैदान पर नहीं खेले कुलदीप

एजेंसी । कानपुर

भारत-बांग्लादेश के बीच शुक्रवार को खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में कनपुरियों को निराशा लगी। उनके घरेलू हीरो कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में मौका नहीं मिला। जबकि फैंस के अलावा क्रिकेट से जुड़े विशेषज्ञों को भी उम्मीद थी कि ग्रीन पार्क स्टेडियम में कुलदीप यादव उन्हें खेलते नजर आएंगे। मगर टॉस के बाद जैसे ही कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि अंतिम एकादश में कोई बदलाव नहीं किया गया है। चेन्नई में खेली टीम ही कानपुर में खेलेगी। सुनकर फैंस का उत्साह थोड़ा कम हुआ। भारतीय टीम के स्टार गेंदबाजों में शामिल कुलदीप यादव कानपुर के ही रहने वाले हैं। वे भारत की ओर से क्रिकेट में वनडे, टी-20 व टेस्ट सभी विधा में खेल रहे हैं। लेकिन, अब तक उन्हें अपने घर कानपुर में टेस्ट मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। बारिश के मौसम को देखते हुए कप्तान रोहित शर्मा ने तीन तेज गेंदबाज को टीम में शामिल किया है। जबकि कुलदीप को ड्रेसिंग रूम में ही बैठना पड़ा। कुलदीप यादव अपने घरेलू मैदान को छोड़ कर देश और विदेश के लगभग सभी प्रमुख स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय मुकाबला खेल चुके हैं। विदेशी धरती की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड में उन्हें सफलता प्राप्त हुई। लेकिन, कानपुर में टेस्ट खेलने की उनकी मुराद लगातार दूसरी बार अधूरी रह गई। वर्ष 2021 में भारत-न्यूजीलैंड के बीच ग्रीन पार्क स्टेडियम में हुए टेस्ट मैच में भी कुलदीप यादव अंतिम एकादश में शामिल नहीं हो सके थे। कुलदीप अभी तक 12 टेस्ट में भारत के लिए 53 विकेट ले चुके हैं। वनडे में तो उनके नाम 106 मैच दर्ज हैं, लेकिन अपने घर पर घरेलू दर्शकों के बीच पांच दिन तक भारत के लिए टेस्ट खेलने की उनकी तमन्ना अभी तक अधूरी ही है।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी ने कहा, आगामी सत्र के लिए पूरी तरह से फिट हो जाऊंगा

अगला बड़ा लक्ष्य 2025 विश्व चैंपियनशिप: नीरज

एजेंसी । सोनीपत

भारतीय स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने आगामी सत्र के लिए शत प्रतिशत फिट होने का वादा करते हुए शुक्रवार को कहा कि अगला वड़ा लक्ष्य अगले साल टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में पोडियम पर जगह हासिल करना है। ओलंपिक के दो बार के पदक विजेता नीरज ब्रुसेल्स में डायमंड लीग के फाइनल्स में दूसरे स्थान रहे थे। वह अपने मौजूदा सत्र को समाप्त कर स्वदेश वापस लौट आए हैं। नीरज ने टोक्यो में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक जीता था। वह लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले देश के पहले ट्रैक एवं फील्ड एथलीट हैं। उन्होंने हरियाणा खेल विश्वविद्यालय के मिशन ओलंपिक पर आयोजित एक सम्मेलन के मौके पर कहा, मेरा सत्र अब खत्म हो गया है। अगले साल का सबसे बड़ा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप है। हम इसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर देंगे। ओलंपिक हमेशा हमारे दिमाग में रहता है, लेकिन उसके लिए हमारे पास चार साल हैं।

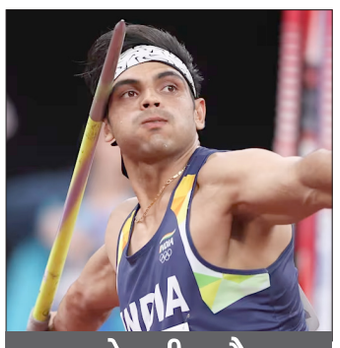

चोट ठीक है

उन्होंने सत्र के अंत में डॉक्टरों से सलाह लेने की बात कही थी ताकि यह तय किया जा सके कि चोट से उबरने के लिए सर्जरी की जरूरत होगी या नहीं। फिटनेस के बारे में पूछने पर चोट की चिंताओं को नजरअंदाज करते हुए उन्होंने कहा कि अपनी तकनीक में सुधार करने पर ध्यान दे रहे हैं। मेरे लिए यह साल चोटों से भरा रहा है लेकिन अब चोट अब ठीक है। मैं नए सत्र के लिए पूरी तरह से फिट हो जाऊंगा। तकनीकी मुद्दे भी हैं लेकिन हम उन पर काम करेंगे।

मुंबई के मैदानों से

सना ने दागे दो गोल

दोपहर संवाददाता । मुंबई

सना द्वारा किए गए दो गोल की मदद से रिलायंस एफवायसी ने कूपरेज फुटबॉल मैदान पर खेले गए नादिम्स हॉरवूड चैंपियंस लीग मुकाबले में आईसीएल मुंबई पर 5-3 की रोमांचक जीत दर्ज की।

विजयी टीम की ओर से लालमनार्पिया ने 6वें मिनट में मैच का पहला गोल दागा, लेकिन उसके बाद संदीप के फटाफट दो गोल करके आईसीएल मुंबई को बढ़त दिला दी। मध्यांतर के पहले लाजकुमार और अंश द्वारा किए गए गोल ने रिलायंस एफवायसी को मैच में 3-2 से बढ़त पर रखा। पाला बदलने के बाद सना ने 65वें और 84वें मिनट में दो बार गोल करके रिलायंस एफवायसी की बढ़त को 5-2 तक पहुंचा दिया। ज़ीशान ने 77वें मिनट में आईसीएल मुंबई के लिए एक गोल उतार दिया, लेकिन गोल मैच के परिणाम को बदलने के लिए पर्याप्त नहीं था।

राजकुमार के साथ 'टोस्टर' में काम करेंगी सोनाक्षी सिन्हा

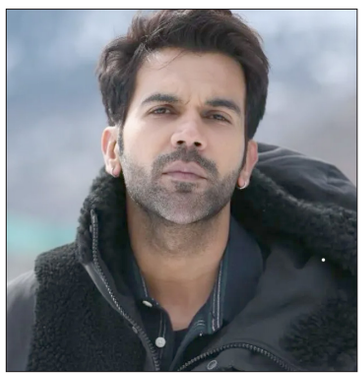

राजकुमार राव और सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही 'टोस्टर' नाम की फिल्म में एक साथ नजर आने वाले हैं, इस तरह की खबर सामने आई थी। दरअसल टोस्टर नाम की फिल्म का निर्माण खुद राजकुमार राव कर रहे हैं।

राजकुमार राव के प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा उनके साथ नजर आने वाली हैं। इस तरह की खबर जब सुर्खियों में आई तो सोनाक्षी के फैंस खुशी से झूम उठे। लेकिन अब एक्ट्रेस ने बताया है कि वह फिल्म में होंगी या नहीं। राजकुमार राव के लिए साल 2024 सफल साबित हुआ। 'स्त्री 2', 'मिस्टर एंड मिसेज माही', 'श्रीकांत' और 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' (अभी रिलीज नहीं हुई है) फिल्मों ने जबर्दस्त सफलता हासिल की।

दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'पंजाब 95' में 120 कट

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी पर सेंसर बोर्ड कड़ा रुख अपनाए हुए है लेकिन अब दिलजीत दोसांझ की अपकमिंग फिल्म 'पंजाब 95' को लेकर भी सेंसर बोर्ड का हथौड़ा चलता हुआ दिखाई दे रहा है। रिव्यू कमेटी ने फिल्म में 35 कट और जोड़ दिए हैं, जबकि पहले ही फिल्म पर 85 कट की तलवार लटकी हुई थी। फिल्म में कट की कुल संख्या अब बढ़कर अब 120 पहुंच गई है। आइए जानते हैं किस विषय पर बनी है ये फिल्म और इस फिल्म को लेकर सेंसर बोर्ड ने कड़ा रुख क्यों अपनाया है।

जसवंत सिंह खालरा के जीवन पर आधारित यह फिल्म शुरुआत से ही विवादों में रही। पहले इस फिल्म का नाम घुल्लूघारा रखा गया था लेकिन बाद में विवाद के चलते मेकर्स ने इसका नाम बदलकर 'पंजाब 95' रख दिया है। सेंसर बोर्ड ने पहले ही इस फिल्म में 85 कट लगाए थे। लेकिन मेकर्स के विरोध करने पर इसे रिव्यू कमेटी के पास भेजा गया। रिव्यू कमेटी ने फिल्म में 35 कट और बढ़ा दिए हैं, यानी अब फिल्म में लगने वाले कट की संख्या बढ़कर 120 हो गई है। फिल्म में जहां भी पंजाब और तरनतारन जिले का जिक्र है उसे हटाने की बात कही गई है। सेंसर बोर्ड की कमेटी ने फिल्म के टाइटल पर भी आपत्ति जताई है और कहा है कि यह पंजाब के कुछ लोगों के भावनाओं को आहत करने वाला टाइटल है। दिलजीत दोसांझ की अपकमिंग फिल्म 'पंजाब 95' जसवंत सिंह खालरा के जीवन पर आधारित है। जिनकी संदिग्ध अवस्था में मौत हुई थी। पुलिस ने पहले तो इसे आत्महत्या बात कर मामले को रफा दफा कर दिया। लेकिन जब उनकी पत्नी परमजीत कौर ने हत्या और अपहरण के साजिश का मामला दर्ज करवाया तो इस मामले की फिर से जांच हुई और उसे जांच में पुलिस के 6 अधिकारी खालरा के अपहरण और हत्या के दोषी पाए गए जिन्हें 7 साल की सजा भी सुनाई गई।

लगातार 60 घंटे तक काम करती थी: क्रिस्टल डिसूजा

क्रिस्टल डिसूजा ने बताया है कि टीवी सीरियल के लिए सेट पर काम करते हुए उन्हें कई बार दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वह लगातार 60 घंटे तक काम करती थी। इस दौरान वह कई बार बेहोश भी हुई लेकिन उनके पास हॉस्पिटल जाने का समय नहीं होता था। सेट पर ही उनका ट्रीटमेंट किया जाता था। एक्ट्रेस इंटरव्यू के दौरान यह भी बताया कि टीवी के सेट पर कलाकारों से 20-20 और 30-30 घंटे लगातार काम करवाया जाता था और कई बार यह काम लगातार 50 से 60 घंटे का भी होता था। आपको बता दें कि क्रिस्टल डिसूजा को टीवी सीरियल 'एक हजारों में मेरी बहना है से' बड़ी पहचान मिली थी। क्रिस्टल डिसूजा के हाल के प्रोजेक्ट की अगर बात करें तो वह हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई फिल्म 'विस्फोट' में नजर आई थी। जिसमें उन्होंने फरदीन खान के साथ काम किया था इस समय एक्ट्रेस फिल्मों में नजर आ रही हैं। इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने टीवी पर अपने करियर की शुरुआत की थी तो उन्हें 2500 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से फीस मिलती थी और उनसे लगातार कई कई घंटे तक काम करवाया जाता था, क्योंकि उसे समय टीवी सीरियल के सेट पर कोई गवर्निंग बॉडी या नियम नहीं था जिसमें आपके लिए यह तय हो कि सिर्फ 12 घंटे ही काम करना है। उन्होंने यह बताया कि एक बार की बात है उन्होंने करीब 60 घंटे तक लगातार शूटिंग की थी। सेट पर वह कई बार बेहोश हो चुकी थी आखिर में एंबुलेंस बुलाना पड़ा और सेट पर ही उन्हें आइवी ड्रिप लगाया गया और दवाइयां भी दी गई और उसके बाद उन्होंने वापस शूटिंग में हिस्सा लिया। क्रिस्टल डिसूजा की यह बातें जैसे ही मीडिया रिपोर्ट में सामने आई है। फैंस एक्ट्रेस की तारीफ कर रहे हैं और काम के प्रति एक्ट्रेस के जज्बे को सलाम करते हुए नजर आए हैं। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि टीवी से बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफॉर्म के प्रोजेक्ट तक का सफर तय करने वाली क्रिस्टल डिसूजा ने एक मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है।

4 अक्टूबर रिलीज होगी सीरीज

'द ट्राइब' में अलाविया जाफरी, सृष्टि पोरे, अल्फिया जाफरी, आर्याना गांधी और हार्दिक जावेरी जैसे सितारे भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे। ट्रेलर में अलाना समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। इस सीरीज का प्रीमियर 4 अक्टूबर, 2024 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। बता दें, अलाना इसी साल 8 जुलाई को एक बेटे की मां बनी हैं।

'द ट्राइब' का ट्रेलर जारी

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे की चचेरी बहन और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अलाना पांडे अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। वह पिछले कुछ समय से अपनी पहली वेब सीरीज 'द ट्राइब' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं, जिसका प्रशंसक इंतजार कर रहे हैं। इस वेब सीरीज के निर्देशक की कमान ओमकार पोतदार ने संभाली है, वहीं करण जौहर इसके निर्माता हैं। अब 'द ट्राइब' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

'भूल भुलैया 3' का टीजर जारी

पिछले लंबे समय से कार्तिक आर्यन अपनी आगामी फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह फिल्म साल 2007 में आई फिल्म 'भूल भुलैया' की तीसरी किस्त है। इस फिल्म में कार्तिक की जोड़ी अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। अभिनेत्री विद्या बालन भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। अब निर्माताओं ने 'भूल भुलैया 3' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। इस बार रूह बाबा (कार्तिक) का सामना मंजुलिका (विद्या) से होने वाला है। टीजर में कार्तिक का तृप्ति के साथ रोमांटिक अंदाज भी देखने को मिल रहा है। टी-सीरीज ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, 'क्या लगा कहानी खत्म हो गई। इस दिवाली रूह बाबा बनाम मंजुलिका।' 'भूल भुलैया 3' इस साल दिवाली के खास मौके पर यानी 1 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना 'सिंघम अगेन' से होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

जेपी नड्डा ने उमर अब्दुल्ला पर कसा तंज

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को निशाने पर लिया। दरअसल, उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कम मतदान के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। उनके इस बयान को खारिज करते हुए जेपी नड्डा ने यह कह दिया कि उमर अब्दुल्ला की गणित खराब है। एक प्रेस वार्ता के दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि अगर कोई मतदान का प्रतिशत देखना चाहता है, तो पहले के समय में यह 6 से 8 प्रतिशत हुआ करता था। लेकिन, अब यह 58 से 60 प्रतिशत हो गया है। नड्डा ने आगे कहा कि अब अगर उनकी गणित खराब है तो इसमें हम क्या कर सकते हैं? यहां पहले चरण में 60 तो दूसरे चरण में 58 प्रतिशत मतदान हुआ है।

भारत में कौशल की मांग 10.3 करोड़ और आपूर्ति सिर्फ 7.4 करोड़

नई दिल्ली। देश में कौशल की मांग और वर्तमान आपूर्ति के बीच एक बड़ा अंतर है। नेशनल स्किल डेवलपमेंट काउंसिल (एनएसडीसी) द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। अध्ययन के मुताबिक भारत में कौशल की मांग 10.3 करोड़ है और केवल 7.4 करोड़ की वर्तमान आपूर्ति है। यह अंतर भारतीय अर्थव्यवस्था के बदलते प्रोफाइल के कारण है। दरअसल स्वास्थ्य देखभाल, सेमीकंडक्टर विनिर्माण, अपशिष्ट प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण, ड्रोन प्रौद्योगिकी और एआई सहित कई क्षेत्र में भारत हॉट स्पॉट के रूप में उभर रहा है। इसकी वजह से कौशल युक्त श्रम बल की मांग भारत में बढ़ रही है। साथ ही दुनिया की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए भी भारत में बड़े पैमाने पर कौशलबल चाहिए।

वर्ष 2030 तक छह करोड़ रोजगार का लक्ष्य : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कपड़ा मंत्रालय के 100 दिन के काम का लेखा जोखा ज़ारी करते हुए कहा कि कृषि के बाद रोजगार देने वाला सबसे बड़ा विभाग टेक्सटाइल है। वर्ष 2030 तक छह करोड़ रोजगार का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा टेक्सटाइल किसान से भी जुड़ा है और उद्योग से भी।

तिरुपति लड्डू विवाद के बीच पूर्व CM जगनमोहन रेड्डी ने रद्द की मंदिर यात्रा

अमरावती। वाईएसआर कांग्रेस के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने तिरुपति के प्रतिष्ठित हिंदू मंदिर तिरुमाला की अपनी यात्रा रद्द कर दी। उन्होंने मंदिर में चल रहे लड्डू विवाद के बीच ये फैसला लिया है। उन पर टीडीपी सुप्रीमो और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने लड्डूओं में एनिमल फैट इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। रेड्डी के करीबी सूत्रों ने पुष्टि की कि पहाड़ी मंदिर की उनकी यात्रा रद्द कर दी गई है, लेकिन उन्होंने इस फैसले के पीछे का कारण तुरंत नहीं बताया, जो उनके मंदिर शहर के लिए प्रस्थान करने से कुछ घंटे पहले आया था। बताया जा रहा है, आंध्र प्रदेश में एनडीए सहयोगियों की मांग के बीच रेड्डी की यात्रा रद्द की गई क्योंकि उन्हें मंदिर में एंटर करने से पहले अपनी आस्था क्या है इसके बारे में बता देना चाहिए।

दिल्ली में एयर पॉल्यूशन पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

CAQM को लगाई फटकार, बोला- हालात इमरजेंसी जैसे

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को दिल्ली प्रदूषण मामले में सुनवाई हुई। पराली जलाने के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई न करने को लेकर कोर्ट ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (CAQM) को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण की वजह से इमरजेंसी जैसे हालात हैं। CAQM से पूछा कि पराली जलाने में क्या कोई कमी आई है? आप पराली जलाने के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? लगातार बैठकें क्यों नहीं हो रहीं? आपकी कार्रवाई केवल कागज पर है और आप मूकदर्शक हैं। अगर आप यह मैसेज नहीं देते हैं कि कानून का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, तो ये प्रावधान केवल कागज पर ही रह जाएंगे। पिछली सुनवाई के दौरान 27 अगस्त को कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली-NCR के पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड में कर्मचारी कम होने की वजह से ठीक से काम नहीं हो रहा। कोर्ट ने पांच राज्यों को आदेश दिया था कि वे खाली पड़ी नौकरियों को 30 अप्रैल 2025 तक भरें, ताकि प्रदूषण पर काबू पाया जा सके। मामले की सुनवाई जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस एजी मसीह की बेंच कर रही है।

CAQM का जवाब- 10 हजार से ज्यादा फैक्ट्रियां बंद करने को कहा

CAQM के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने बताया कि उन्होंने समिति बनाने के बाद 82 कानूनी आदेश और 15 सुझाव जारी किए हैं। उनकी टीम ने 19,000 जगहों का निरीक्षण किया है और 10,000 से ज्यादा फैक्ट्रियों को बंद करने का आदेश दिया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि CAQM तीन साल से अस्तित्व में है, लेकिन इसने केवल 82 निर्देश जारी किए हैं। इतनी कार्रवाई काफी नहीं है। आयोग को और अधिक एक्टिव होने की जरूरत है। आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके निर्देशों से प्रदूषण की समस्या कम हो रही है या नहीं। दरअसल, केंद्र सरकार ने 2021 में CAQM का गठन किया था। इसे दिल्ली-NCR और आसपास के इलाकों में बढ़ते प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए बनाया गया है।

CAQM से पूछा कि पराली जलाने में क्या कोई कमी आई है?

कोर्ट ने कहा- सब कुछ तो हवा में है

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (ASG) ऐश्वर्या भाटी ने हलफनामा पढ़कर सुनाया। इसमें पराली संकट से निपटने को लेकर सलाह और दिशा निर्देश जारी करने जैसे कदमों की जानकारी दी गई। लेकिन अदालत इन कोशिशों से नाखुश नजर आई। जस्टिस ओका ने कहा कि, 'सब कुछ तो हवा में है। NCR राज्यों में जो किया गया है, उसके बारे में हमें कुछ भी नहीं बताया गया।'

ससुर ने की लव मैरिज बहू को मिली सजा

बहू की सात पीढ़ियों का बहिष्कार

एजेंसी । बीड

महाराष्ट्र के बीड जिले में जात पंचायत ने हैरान करने वाला फैसला सुनाया है। यहां के आष्टि पुलिस स्टेशन में सास ससुर के प्रेम विवाह की सजा बहु को दी गई है। दरअसल, इस शादी के लिए समाज की इजाजत नही ली गयी थी। जिसके बाद जात पंचायत बुलाकर बहु की सात पीढ़ियों का बहिष्कार कर दिया है।

क्या है पूरा मामला?

ये पूरा मामला बीड जिले के आष्टी के डोईठाणे गांव का है। यहां 22 सितंबर को पंचायत बुलाकर बहिष्कार प्रस्ताव पारित किया गया है। मामला सामने आने के बाद अष्टि पुलिस ने 9 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन सभी के खिलाफ सामाजिक बहिष्कार अधिनियम 2016 की धारा 4, 5, 6 और बीएनएस 189 (2), 351 (2) (3), 352 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ससुर ने समाज की इजाजत के बिना किया प्रेम विवाह

इस मामले में ससुर ने समाज की इजाजत के बिना प्रेम विवाह कर लिया था। इसलिए उन पर ढाई लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया, नहीं चुकाने पर उन्होंने बहू के साथ बेटे को भी जाति पंचायत में बुलाया। जब दोनों ने भी पैसा भरने में असमर्थता दिखाई तो पंचों ने परिवार को सात पीढ़ियों तक समाज से बहिष्कृत करने का आदेश दिया। पहले तो मामले को दबाने की कोशिश की गई। लेकिन आष्टी पुलिस स्टेशन को इसकी भनक लग गई और पंचायत से जुड़े लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई।

पहले ससुर पर लगाया गया था 2.50 लाख का जुर्माना लगाया

पीड़ित का नाम मालन शिवाजी फुलमाली (32 वर्ष) है। मालन के ससुर नरसु फूलमाली ने समाज की अनुमति के बिना प्रेम विवाह किया है। ससुर के प्रेम विवाह के बाद जाति पंचायत बैठाई गई। इसमें नरसू फुलमाली पर 2.50 लाख का जुर्माना लगाया गया। लेकिन कई साल बाद भी उन्होंने यह जुर्माना नहीं भरा। इसलिए, 21 सितंबर, 2024 को अहमदनगर के नेवासा तालुका में रहने वाले शिवाजी पालवे के माध्यम से मालन को जाति पंचायत में बुलाया गया। जानकारी के अनुसार इस पंचायत में मालन अपने पति शिवाजी और बच्चों के साथ पहुंची थीं। बताया जा रहा है कि पंचायत में पहले से ही समुदाय के 800 से 900 लोग मौजूद थे। उस दिन तो कोई निर्णय नहीं हुआ, फिर 22 सितंबर को दोबारा जाति पंचायत बुलाई गई। जहां बहिष्कार करने का फैसला सुनाया गया।

BJP कैंडिडेट की जीत, कांग्रेस-AAP का बहिष्कार

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (MCD) की स्टैंडिंग कमेटी की अंतिम खाली सीट के लिए शुक्रवार को वोटिंग हुई। भाजपा कैंडिडेट सुंदर सिंह को पार्टी के पार्षदों के सभी 115 वोट मिले, जबकि AAP की निर्मला कुमारी को कोई वोट नहीं मिला। दरअसल, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने इस चुनाव में हिस्सा नहीं लिया था।

इस जीत के साथ दिल्ली नगर निगम की 18 सदस्यीय स्थायी समिति में भाजपा के 10 मेंबर्स हो गए हैं। जबकि AAP के केवल आठ सदस्य हैं। जिस सीट पर चुनाव हुआ वो भाजपा नेता कमलजीत सहरावत के पश्चिमी दिल्ली से सांसद चुने जाने के बाद खाली हुई थी।

केरल में मंकीपॉक्स का दूसरा मरीज मिला

भारत में यह तीसरा मामला

29 साल का युवक UAE से केरल लौटा था, स्ट्रेन की पुष्टि बाकी

एजेंसी । कोच्चि

केरल में मंकीपॉक्स (MPox) का दूसरा मरीज मिला है। भारत में मंकीपॉक्स का यह तीसरा मामला है। 29 साल का युवक UAE से केरल के एर्नाकुलम लौटा था। उसे तेज बुखार था। जांच में MPox की पुष्टि हुई है। हालांकि अभी स्ट्रेन का पता नहीं चला है। केरल हेल्थ डिपार्टमेंट ने बताया कि मरीज का कोच्चि के प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके सैंपल पुणे

के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में जीनोमिक सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए हैं। जांच के बाद पता चलेगा कि मरीज MPox के खतरनाक और तेजी से फैलने वाले क्लैड-1बी स्ट्रेन से संक्रमित है या नहीं। 18 सितंबर को भारत में MPox का दूसरा और क्लेड-1बी स्ट्रेन का पहला मरीज मिला था। 38 साल का संक्रमित मरीज UAE से केरल के मलप्पुरम लौटा था। उसने 17 सितंबर को खुद को क्वारैंटाइन कर लिया था।

हरियाणा में मिला था भारत का पहला MPox मरीज

9 सितंबर को देश में मंकीपॉक्स का पहला मरीज मिलने की पुष्टि हुई थी। हरियाणा के हिसार में एक 26 साल के युवक में पुराना स्ट्रेन क्लैड-2 पाया गया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया था कि व्यक्ति विदेश से लौटा था। उसे 8 सितंबर को आइसोलेशन में रखा गया था। सैंपल लेकर जांच कराई गई, जिसमें मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई थी।

3 दलितों की हत्या के केस में 4 आरोपियों को फांसी

7 को उम्रकैद, 10 साल पहले हुआ था हत्याकांड

एजेंसी । मदुरै

तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुनेलवेली की एक कोर्ट ने गुरुवार को तीन दलितों की हत्या के मामले में 4 आरोपियों को मृत्युदंड और 7 अन्य लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपियों ने 2014 में इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। जानकारी के अनुसार के मुरुगन 40, आर वेणुगोपाल 42 कोयंबटूर जिले के एक गांव में उदयपंकुलम में मजदूरी का काम करते थे। दोनों मजदूर एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए

गए थे। शादी समारोह में शामिल होने के बाद दोनों को ले जाने के लिए मुरुगन का भाई कालीराज बाइक लेकर आया।

कालीराज दोनों को बाइक पर लेकर घर जा रहा था इस दौरान 2 दर्जन के करीब लोगों ने उन पर हमला कर दिया। इस हमले में तीनों दलितों की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए सभी युवकों को अरेस्ट कर लिया।

कोर्ट ने सुनाई ये सजा

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आईपीसी और एससी/एसटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया। जांच के बाद पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की। मामले में 3 आरोपियों की मुकदमे के दौरान मौत हो गई जबकि 11 अन्य को कोर्ट ने 24 सितंबर को दोषी ठहराया था। इसके बाद कोर्ट ने गुरुवार 26 सितंबर को सभी 11 आरोपियों की सजा का ऐलान कर दिया। कोर्ट ने मामले में 4 आरोपियों को मृत्युदंड और 7 को आजीवन जेल की सजा सुनाई।

'घोष को मिल सकती है मौत की सजा'

एजेंसी । कोलकाता

आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को शुक्रवार (27 सितंबर) को CBI की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने संदीप को जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा, संदीप के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर है। अगर ये साबित हो गए तो घोष को मौत की सजा हो सकती है। सीबाआई ने संदीप घोष और ताला पुलिस स्टेशन के पूर्व प्रभारी अभिजीत मंडल को 9 अगस्त को अरेस्ट किया था। इन दोनों पर आरजी कर हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर मामले में सबूतों से छेड़छाड़ और FIR दर्ज करने में देरी का आरोप लगा है। संदीप और अभिजीत 30 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए।

सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने दी जानकारी

जांच में खुलासा- पुलिस स्टेशन में डॉक्यूमेंट्स गलत तरीके से बनाए गए

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर मामले की जांच कर रही CBI ने नए खुलासे किए हैं। एजेंसी ने 25 सितंबर को सियालदह कोर्ट में दावा किया था कि ताला पुलिस स्टेशन में रेप-मर्डर मामले से जुड़े कुछ डॉक्यूमेंट्स गलत तरीके से बनाए और बदले गए थे। CBI ने बताया कि पुलिस ने मुख्य आरोपी संजय रॉय के कपड़े और सामान जब्त करने में दो दिनों की देरी की। समय पर उनकी जांच होती तो आरोपी के खिलाफ मजबूत सबूत मिल सकते थे। एजेंसी ने पुलिस स्टेशन का CCTV फुटेज सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (CFSL) में जांच के लिए भेजा है। CBI अब संजय रॉय, मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और ताला पुलिस स्टेशन के प्रभारी अभिजीत मंडल के बीच किसी आपराधिक साजिश की जांच कर रही है।

30 सितंबर को घोष-मंडल से नार्को और पॉलीग्राफ टेस्ट की सहमति मांगी जाएगी

30 सितंबर को अगली सुनवाई में घोष के नार्को-टेस्ट और अभिजीत मंडल के पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए उनकी सहमति मांगी जाएगी। CBI ने अभिजीत मंडल को 14 सितंबर को गिरफ्तार किया था। संदीप घोष मेडिकल कॉलेज में वित्तीय अनियमितता मामले मे 16 अगस्त से न्यायिक हिरासत में था। 2 सितंबर को CBI ने उसे भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया। उसे रेप-मर्डर मामले में 14 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था।

यात्रियों को सुविधा | दीपावली- छठ के लिए छह हजार अतिरिक्त ट्रेन चलाने को मंजूरी

वेटिंग खत्म करने के लिए और तीन हजार ट्रेन चलाएंगे : अश्विनी वैष्णव

अगले छह वर्षों में देश का पूरा रेल नेटवर्क कवच से लैस होगा

एजेंसी । नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार देश में अभी 22 हजार ट्रेन चल रही हैं लेकिन वेटिंग की समस्या खत्म करने के लिए आने वाले समय में तीन हजार ट्रेनें और चलाए जाने की जरुरत है। सरकार इस दिशा में कार्य कर रही है। रेल मंत्री ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए ये बात कही है।

तीन हजार और ट्रेन की जरुरत

रेल मंत्री के अनुसार तीन हजार और ट्रेन की जरुरत महसूस की गई है। यह आज का आंकलन है लेकिन अगले पांच-सात सालों के दौरान जब इतनी ट्रेन बढ़ जाएंगी तो उस समय रेल यात्रियों की संख्या कितनी बढ़ेगी, यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा। लेकिन हमें लगता है कि इससे काफी हद तक वेटिंग की समस्या खत्म हो जाएगी। लोग आसानी से कंफर्म रेल टिकट खरीद सकेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों के दौरान वेटिंग की समस्या को कम किया गया है। चार हजार अतिरिक्त रेलगाड़ियां चल रही हैं। ट्रैक की क्षमता बढ़ाई गई है। लेकिन हमारा फोकस नई रेलगाड़ियों के साथ ट्रैक के विस्तार पर भी है। बीते एक साल में 5300 किलोमीटर ट्रैक बनाया गया है। इसमें अभी 40 हजार किलोमीटर का और इजाफा किया जाना है जिस पर कार्य चल रहा है। क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ रेलवे का सबसे ज्यादा जोर सुरक्षा पर भी है।

ट्रेन हादसे रोकने के लिए टक्कररोधी उपकरण कवच लगाने का कार्य शुरू

यह पहला मौका है जब एक लाख किलोमीटर ट्रैक के मेंटेनेंस में से सिर्फ तीन हजार किमी ट्रैक का मेंटेनेंस कार्य ही शेष बचा है। इसके अलावा ट्रेन हादसे रोकने के लिए टक्कररोधी उपकरण कवच लगाने का कार्य शुरू किया गया है। 2022 में कोटा-सवाईमाधोपुर के बीच तीन हजार किमी ट्रैक पर कवच लगाने का टेंडर दिया गया था। अभी 9000 किलोमीटर के लिए और टेंडर जारी कर रहे हैं। अगले छह सालों के भीतर पूरे रेलवे नेटवर्क में कवच लगा दिया जाएगा। यूरोप में जहां ऐसे उपकरण लगाने का खर्च 10 करोड़ प्रति किलोमीटर है, वहीं भारत में यह लागत महज 70 लाख रुपए प्रति किलोमीटर होगा। उन्होंने कहा कि 80 फीसदी ट्रेन एक्सीडेंट ड्राइवर की गलती या फिर मानवीय चूक से होते हैं जिन्हें कवच सिस्टम पूरी तरह से रोक देगा।

दीपावली-छठ के लिए विशेष ट्रेन

रेल मंत्री ने बताया कि दीपावली और छठ पूजा के लिए 108 ट्रेन में जनरल कोच बढ़ाए गए हैं। 12500 और कोच मंजूर किए गए हैं। 2023-24 के दौरान 4429 विशेष ट्रेन चलाई गई थी। लेकिन 2024-25 के दौरान 5975 अतिरिक्त ट्रेन चलाने को मंजूरी दी गई है। इससे त्यौहारों के दौरान एक करोड़ लोगों के अपने घर लौटने का इंतजाम होगा।

बीजेपी विधायक मुनिरत्ना पर लगे दुष्कर्म के आरोप

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के बीजेपी विधायक मुनिरत्ना नायडू पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। महिला ने कहा कि विधायक मुनिरत्ना ने विधानसभा और सरकारी कार के अंदर उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस के अनुसार महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि विधायक मुनिरत्ना ने कई बार उसके साथ बलात्कार किया। इतना ही नहीं उसे हनी ट्रैप में भी फंसाया। बता दें कि वे पहले ही हिरासत में थे। अब उन्हें एसआईटी की हिरासत में लिया गया है। हालांकि बीजेपी विधायक ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार कर्नाटक सरकार

ने मुनिरत्ना के खिलाफ एसआईटी जांच का आदेश दिया था। इससे पहले वे ठेकेदार को धमकी देने और उनसे गलत व्यवहार करने के आरोप में जेल में थे। इसके बाद एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि मुनिरत्ना उसे मत्यालनगर में स्थित उनके गोदाम में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। महिला ने कहा कि मुनिरत्ना ने पूरी घटना का वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया। उसने धमकी दी कि अगर उसने इसके बारे में किसी को बताया तो गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।